नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 201 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 3 ₹ ◆ पृष्ठ : 8 (4+4)

धरमजयगढ़, मंगलवार 31 मई 2022

पेज -3 पर

कला जत्था एवं नाचा दलों की मोहक प्रस्तुतियों के जरिए जन-जन ...

महंगाई भत्ता की एक सूत्रीय मांग को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी...

पेज -8 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

प्रदेश के 13 जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी

रायपुर । छत्तीसगढ़ मौसम विभाग ने प्रदेश के 13 जिलों में बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। इसमें कोरबा, जशपुर, रायगढ़, मुंगेली, बिलासपुर, कबीरधाम, राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा, बालौद, धमतरी,गरियाबंद तथा रायपुर जिला शामिल है।

मौसम विभाग के अनुसार उक्त सभी जिलों मेंआने वाले दिनों में गरज चमक के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं प्रदेश में आज 31 मई को अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पडऩे की संभावना है। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ भी चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार ऊपरी हवा काचक्रीय चक्रवाती घेरा झारखंड के ऊपर 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

दिनदहाड़े नगर में चाकू लहराने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

गरियाबंद । जिला गरियाबंद में शांति,सुरक्षा,यातायात व्यवस्था के सुचारू रूप से संचालन हेतु जिला गरियाबंद के पुलिस कप्तान जे0आर0 ठाकुर के दिशा-निर्देश,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रेश ठाकुर के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गरियाबंद पुष्पेन्द्र नायक के पर्यवेक्षण में समस्त थाना क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग करने समस्त थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया है। इसी कड़ी में 30 मई 2021 को थाना सिटी कोतवाली गरियाबंद द्वारा लगातार पेट्रोलिंग कर रहे थे इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिला कि एक युवक धारदार हथियार लेकर लहरा रहा है

पूर्व सीएम डॉ. रमन का कांग्रेस पर तंज, कहा- छत्तीसगढ़िया गोबर बिनही, परदेशिया राज्यसभा जाही

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव होने हैं। कांग्रेस ने राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन को उम्मीदवार बनाया है। नामों की घोषणा होने के साथ स्थानीय बनाम परदेशियां का मुद्दा सोमवार दिनभर सियासी गलियारों में छाया रहा। भाजपा नेता जहां इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर हमलावर है। वहीं कांग्रेस के नेता पार्टी आलाकमान द्वारा नामित दोनों उम्मीदवारों को योग्य, अनुभवी और समर्पित

यहां के कांग्रेसी मन बासी खाही

कार्यकर्ता बता रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार तय करने के बारे में सोचने की स्थिति में नहीं है। भाजपाई अनावश्यक बयान कर क्षुद्र मानसिकता को दर्शा रहे हैं। इधर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने वीडियो संदेश जारी कर गैर-छत्तीसगढ़ियों को प्राथमिकता दिए

जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2 सीटों पर उत्तर प्रदेश और बिहार वालों को राज्यसभा भेजकर छत्तीसगढ़ महतारी का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल के लिए छत्तीसगढ़िया मान-सम्मान और गौरव की बातें सिर्फ बातें ही हैं, लेकिन जब नेतृत्व देने की बात आती है तो इधर-उधर के राज्यों से नेताओं को आउटसोर्स किए जाते हैं। डॉ. रमन ने कहा कि ऐसा लगता है कि राज्यसभा जाने के लिए छत्तीसगढ़ कांग्रेस में कोई योग्य नेता नहीं है। यह छत्तीसगढ़िया भाई-बहनों के साथ छल और धोखा है। अब ऐसा लगने लगा है कि छत्तीसगढ़िया गोबर बिनही अऊ परदेसिया राज्यसभा जाही, बाकी सब छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी मन बोरे बासी खाही।

यूपी और बिहार के नेता छत्तीसगढ़ से जाएंगे राज्यसभा

बता दें कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के लिए 2 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया है। रंजीत रंजन और राजीव शुक्ला को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया गया है। राजीव शुक्ला जाने माने पत्रकार रहे हैं और वह उत्तर प्रदेश के कानपुर के निवासी हैं। वे तीन बार महाराष्ट्र से राज्यसभा जा चुके हैं। वहीं रंजीत रंजन बिहार के बाहुबली नेता पप्पू यादव की पत्नी हैं। वह लॉन टेनिस की खिलाड़ी रहीं हैं। रंजीत रंजन दो बार लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। अभी वे कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव हैं। छत्तीसगढ़ से स्थानीय कांग्रेस नेताओं को मौका नहीं दिए जाने से भाजपा-कांग्रेस के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षांत समारोह संपन्न

पत्रकारिता के आदर्श गुणों को अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण में सहयोग करें : राज्यपाल

वंचित वर्ग की समस्याओं को प्रमुखता से सामने लाएं

रायपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति सुश्री अनुसुईया उइके आज कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के पंचम दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं और स्नातक, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं पीएच.डी. धारकों को उपाधि प्रदान की।

इस अवसर पर श्री रविशंकर जी महाराज, वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व महासचिव, ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन श्री एन.के. सिंह, विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर नगर निगम के महापौर श्री एजाज ढेबर उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2019, 2020 एवं 2021 के 345 स्नातक, 584 स्नातकोत्तर एवं दो शोधार्थियों को पीएच.डी. की डिग्री एवं प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। राज्यपाल सुश्री उइके ने उपाधि प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने उपाधि प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों का आह्वान किया कि पत्रकारिता के उन आदर्श गुणों को अवश्य अपनाएं, जिससे समाज और राष्ट्र का नव-निर्माण हो सके। आधुनिक संचार के युग में मीडिया के विद्यार्थियों के सामने दोहरी चुनौती है कि वे पत्रकारिता के उच्च मानदंडों के साथ अपना कैरियर बनाने के साथ ही समाज और राष्ट्र के मुख्य मुद्दों पर भी अपनी व्यापक दृष्टि रखें। उन्होंने कहा कि वैचारिक तौर पर मीडिया की विश्वसनीयता और प्रामाणिकता का संकट बढ़ा है। अनेकों बार हम यह देखते हैं कि वंचित-कमजोर वर्ग, महिलाओं और बच्चों से जुड़े मुद्दे उतनी प्रमुखता से नहीं आ पाते। मीडिया के लिए यह एक चुनौती है कि समाज के ऐसे वर्गों को भी राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ें। उन्होंने कहा कि आज हम स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं।

नगर पालिक निगम के समाज कल्याण अधिकारी भूपेन्द्र वाडेकर राज्यपाल के करकमलों से हुए सम्मानित

राजनांदगांव । नगर पालिक निगम राजनांदगांव के कर्मठ समाज कल्याण अधिकारी भूपेंद्र वाडेकर को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के महामहिम राज्यपाल महोदया सुश्री अनुसूईया उइके जी ने अपने करकमलों से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।मौका था राजधानी स्थित साया जी होटल में आयोजित साधना प्लस राष्ट्रीय न्यूज़ चैनल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह।

राज्यपाल को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के लिए किया आमंत्रित

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से राजभवन में इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ शाखा के सचिव श्री प्रणव सिंह ने भेंटकर उन्हें 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन श्री अमृत कुमार खलखो भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि रक्तदान महादान होता है। रक्तदान से बड़ा कोई परोपकार नहीं हो सकता है। रक्तदान से किसी व्यक्ति की जान बचायी जा सकती है।

छत्तीसगढ़ में केंद्र के समान डीए व गृह भत्ता की मांग

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन का मंत्रालय सहित प्रदेशभर में प्रदर्शन

रायपुर। केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर महंगाई भत्ता (DA) व गृह भाड़ा देने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने सोमवार को मंत्रालय व संचालनालय सहित प्रदेश के सभी जिला, विकासखंड व तहसील मुख्यालयों में प्रदर्शन किया। फेडरेशन ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन भी सौंपा है। 2 मई को 5व महंगाई भत्ते में वृद्धि का ऐलान किया गया है, जिसे कम बताते हुए

कर्मचारी केंद्र सरकार के समान 34व महंगाई भत्ता मांग रहे हैं।

फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने बताया कि प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के साथ भेदभाव की नीति अपनाई जा रही है। सरकार कर्मचारियों का 28 माह का एरियर्स डकार गई है।

नक्सली हत्या का प्रमाण पति की जली हड्डियां लेकर थाने पहुंची पत्नी

बीजापुर । जिले के नक्सल प्रभावित सीमावर्ती पुलिस थाने पामेड़ अंर्तगत ग्राम भट्टीगुड़ा निवासी महिला ज्योति मड़कम अपने पति की जली हुई हड्डियां लेकर पुलिस के पास पहुंची, उनके हाथ में तौलिये में लिपटी कुछ जली हड्डियां थीं। ज्योति मड़कम का दावा था कि ये जली हड्डियां उनके पति मड़कम आयता की है। नक्सलियों ने उनके पति मड़कम आयता की बेरहमी से हत्या कर दी है। हत्या का जुर्म दर्ज कराने जब उनका परिवार पामेड़ पुलिस थाने पहुंचा तो उनसे आयता की मौत होने के सबूत मांगे गए।

रायपुर पहुंचे कांग्रेस के दोनों राज्यसभा उम्मीदवार

कांग्रेस नेताओं ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत, नामांकन होगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा प्रत्याशी बनाए गए पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव शुक्ला और पूर्व सांसद रंजीत रंजन रायपुर पहुंच गई है। प्रदेश कांग्रेस की ओर से छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अमरजीत चावला और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुबोध हरितवाल सहित बहुत से कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं ने माना हवाई अड्डे पर दोनों का स्वागत किया। कांग्रेस ने रविवार देर रात राज्यसभा चुनाव के लिए

उम्मीदवारों की घोषणा की। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव शुक्ला और लोकसभा की पूर्व सांसद रंजीत रंजन को छत्तीसगढ़ से प्रत्याशी बनाया गया। राजीव उत्तर प्रदेश से आते हैं, वहीं रंजीत रंजन का संबंध बिहार से है। उम्मीदवारी की घोषणा के बाद दोनों पहली बार रायपुर पहुंचे। प्रदेश कांग्रेस की ओर से पहुंचे नेताओं ने उनका स्वागत किया। उन्हें वीआईपी रोड पर ही एक होटल में ठहराया गया है। बताया जा रहा है कि प्रत्याशी घोषित होने के बाद नामांकन पत्र भी ले लिया गया है। अब वकीलों की एक टीम नामांकन पत्र तैयार करने की औपचारिकता में लगी है। जल्दी ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

पहले विधायकों की बैठक होगी

पार्टी सूत्रों के मुताबिक मंगलवार सुबह कांग्रेस विधायकों की एक बैठक होनी है। इसी बैठक में राज्यसभा के दोनों प्रत्याशियों का परिचय कराया जाएगा।

अवलोकन.. समूहों द्वारा तैयार सामग्रियों की बिक्री की जानकारी ली

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री सिंहदेव ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्रियों का किया अवलोकन

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने आज अपने महासमुंद प्रवास के दूसरे दिन जिला पंचायत परिसर में जिले की स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्रियों का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने महिलाओं से चर्चा कर इन समानों को तैयार

करने के लिए कच्चे माल की आपूर्ति, इनकी बिक्री और इनसे हो रही कमाई के बारे में भी जानकारी ली। श्री सिंहदेव ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित जिले के विभिन्न समूहों द्वारा निर्मित मिट्टी के समान, छिंद के समान, लड्डू, पापड़, बड़ी, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, सजावट के समान, अचार, साबुन, फिनॉयल, हैण्ड सैनिटाइजर, हैण्ड वॉश, टॉयलेट क्लीनर, वॉशिंग पाउडर, अगरबत्ती, पेन, मोबाइल पर्स, पैरदान, चूड़ी, कुशन, खस और बांस से निर्मित सामग्रियों को बारिकी से देखा। उन्होंने महिलाओं की लगन और कौशल की प्रशंसा करते हुए उनके बनाए समानों की अधिक से अधिक बिक्री के लिए प्रोत्साहित किया।

छत्तीसगढ़ की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीते तीन रजत पदक

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ग्रीस में आयोजित आईडब्ल्यूएफ जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन रजत पदक जीतने वाली छत्तीसगढ़ की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव को आगे की तैयारी के लिए पांच लाख रूपए की आर्थिक सहायता और छत्तीसगढ़ पुलिस में सहायक उपनिरीक्षक के पद पर नियुक्ति देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर ज्ञानेश्वरी यादव के कोच श्री अजय लोहार को भी 5 लाख रूपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

राजनांदगांव निवासी ज्ञानेश्वरी यादव ने आज मुख्यमंत्री श्री बघेल से उनके रायपुर स्थित निवास कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें

अपनी उपलब्धि की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश्वरी को इस अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन रजत पदक जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री बघेल ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने अपनी उपलब्धि से पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश्वरी यादव, उनके कोच श्री अजय लोहार, ज्ञानेश्वरी के पिता श्री दीपक यादव को शाल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

ग्रीस के हेराक्लिओन शहर में 01 से 10 मई तक आयोजित जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में ज्ञानेश्वरी ने 49 किलोग्राम वर्ग के स्नेच, क्लीन एंड जर्क स्पर्धा में रजत पदक जीते।

सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं, जल-थल और पर्यावरण के लिए भी जहर है हर एक सिगरेट

लिहाजा लोगों को आयु कम हो गई है, मोटे तौर पर औसत आयु 60-70 तक सिमट कर रह गई है। तंबाकू उत्पादों से होने वाले नुकसान के इस लेख की शुरुआत इसी विषय को केंद्र बनाकर करते हैं। अब आप सोच रहे होंगे, यहां 70 की जगह 100 साल भी तो लिखा जा सकता था? जरूर लिखा जा सकता था, पर पिछले दो दशक के आंकड़े उठाकर देख लें तो साफ हो जाता है कि तंबाकू उत्पादों के बढ़े हुए सेवन ने कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को बढ़ा दिया है।

इस सच्चाई से भी बिल्कुल इनकार नहीं किया जा सकता है कि तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर खतरों से हम सभी अवगत होते हैं, फिर भी यह लत, हमारी जान से सौदा करती आ रही है। सामान्यतौर पर तंबाकू निषेध दिवस जैसे खास दिन पर इसके शारीरिक दुष्प्रभाव और रोकथाम के उपायों को लेकर चर्चा करके मामले को फिर एक बरस के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

तंबाकू उत्पादों के कारण शरीर को होने वाले नुकसान पर अक्सर बात होती रही है पर यह दीर्घकालिक रूप हमारे पर्यावरण को कितना गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है, क्या आपका इस ओर ध्यान गया? चलिए इस बार तंबाकू उत्पादों से पर्यावरण में कैसे जहर घुल रहा है, इस विषय को समझने की कोशिश करते हैं।

तंबाकू उत्पादों का पर्यावरण पर असर

इस साल विश्व तंबाकू निषेध दिवस का थीम पर्यावरण पर केंद्रित है। 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस भी है और तंबाकू निषेध दिवस 2022 का थीम पर्यावरण बचाएं (Protect the environment) है। कई शोध इस खतरे को लेकर अलर्ट करते रहे हैं कि तंबाकू, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए किसी जहर से कम नहीं है। तंबाकू उत्पादों के वेस्ट (गुटखे के रैपर, कागज, सिगरेट का शेष हिस्सा) पारिस्थितिक तंत्र के लिए चुनौती बढ़ा रहे हैं। हर साल तंबाकू के सेवन के कारण होने वाले प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोगों से 8 मिलियन (80 लाख) से अधिक लोगों की मौत हो रही है। वहीं तंबाकू उद्योग का कचरा, तंबाकू उत्पादों को बनाने और पैकेजिंग में पर्यावरण का भयंकर नाश किया जा रहा है।

31 मई विश्व तंबाकू निषेध दिवस है। तंबाकू उत्पादों के सेवन से शरीर को कितना नुकसान होता है, किस-किस तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, ये बातें 7 साल के बच्चे से लेकर 70 साल के बुजुर्ग तक सभी को बहुत अच्छी तरह से पता है।

मतलब तंबाकू उत्पाद आपको बीमार तो बना ही रहे हैं, आने वाली पीढ़ियों के लिए भी चुनौती खड़ी हो रही है। इस गुणा-गणित को समझने के लिए हमें देश के तंबाकू उद्योग के बारे में जानना होगा। आइए उस तरफ रुख करते हैं। भारत विश्व में तंबाकू का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। साल 1995 में यहां कुल 450 मिलियन किलोग्राम (करीब साढ़े चार लाख टन) तंबाकू का उत्पादन होता था, साल दर साल इसमें बढ़ोतरी देखी गई है। अप्रैल 2021 से फरवरी 2022 के बीच, भारत ने 838.80 मिलियन डॉलर कीमत के तंबाकू उत्पादों का निर्यात किया। इस उद्योग की वृद्धि और तंबाकू उत्पादों की बढ़ती मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फरवरी 2021 की तुलना में 2022 में 12.78त्न वृद्धि के साथ भारत ने 78 मिलियन डॉलर कीमत के तंबाकू उत्पादों का निर्यात किया।

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर तंबाकू उत्पादों से पर्यावरण को होने वाले नुकसान और इसके व्यापार का क्या संबंध है? है न, असल खेल तो यही है। जितनी तेजी से बढ़ती मांग, उतना ही पर्यावरण को क्षति। कैसे? आइए यह भी समझते हैं।

तंबाकू उत्पादों से पर्यावरण को कैसे नुकसान?

वैश्विक स्तर पर सिगरेट को तैयार करने के लिए 60 करोड़ से अधिक पेड़ काटे जाते हैं और 22 बिलियन (2200 करोड़) लीटर से अधिक मात्रा में पानी खर्च होता है। इसके अलावा केवल उत्पादों के निर्माण में ही 8.40 करोड़ टन की मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। पेड़ों की कटाई, पानी और कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन, तीनों पर्यावरण के लिए चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। अफसोस इस तरफ ध्यान किसी का नहीं है।

इन आंकड़ों के आधार कहा जा सकता है कि तम्बाकू उगाना, उत्पादों का निर्माण और उपयोग करना हमारे पानी, मिट्टी, समुद्र तटों और वायुमंडल में जहर घोल रहा है। इसके बाद- हर फिक्र को धुएं में उड़ाता चला गया वाले एटीट्यूड में जो सिगरेट का धुंआ पर्यावरण में जा रहा है, वह हमारे जीवन के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए फिक्र बढ़ाने वाला है।

10 वर्षों तक प्रदूषण वाले इलाकों में रहने से फेफड़ों के जितना नुकसान होता है, उतना ही नुकसान 30 साल तक रोजाना सिगरेट पीने से होता है। अब आप खुद ही सोचिए, सिगरेट किस तरह से हमारी सेहत के लिए आगे कुंआ पीछे खाई वाली स्थिति बनाते जा रहा है? अब तक हमने तंबाकू उत्पादों के निर्माण और इसके उपयोग से होने वाले पर्यावरणीय और सेहत से संबंधित जोखिमों के बारे में जाना। खतरा यहीं तक सीमित नहीं है, इन उत्पादों का कचरा मृदा और जल को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है।

अभिलाष श्रीवास्तव

संपादकीय

चिंता जताना काफी नहीं

अब यह कहना सिर्फ रस्म-अदायगी लगता है कि हमें बहुत कुछ करने की जरूरत है। दुनिया की सरकारें, बड़ी कंपनियां और धनी-मानी लोग अपने स्वार्थ और सुविधाओं पर समझौता करने को तैयार नहीं हैं। यह बात तो अब दुनिया भर में कही जाने लगी है कि जलवायु परिवर्तन कोई भविष्य में आने वाला संकट नहीं है। बल्कि इसे हम अपने वर्तमान में होता देख रहे हैं। न सिर्फ इसे होता देख रहे हैं, बल्कि इसके परिणामों को भी भुगत रहे हैं। यही वजह है कि विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्लूएमओ) की हालिया रिपोर्ट ने दुनिया के जागरूक जन मानस का ध्यान खींचा है। इस रिपोर्ट के अनुसार इंसानों ने वातावरण को गर्मी रोकने वाली गैसों से इतना भर दिया है कि पृथ्वी की सेहत बिगड़ गई है। जंगलों को उजाड़ने और जीवाश्म ईंधन को जलाने की वजह से जलवायु पहले से ही ऐसी अनिश्चित स्थिति में जा चुकी है। ऐसी स्थिति मानव सभ्यता के इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। ये बातें स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट-2021 में कही गई हैं। 2021 में दुनिया में ग्रीनहाउस गैस की सघनता का रिकॉर्ड टूट गया। महासागरों में तापमान और अम्लीयता का स्तर काफी बढ़ गया।

आम तजुर्बा है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से तूफान और जंगल में लगने वाली आग की घटनाओं में काफी ज्यादा वृद्धि हुई है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों को अपना घर-बार छोड़कर दूसरी जगहों पर विस्थापित होना पड़ रहा है। अब यह कहना सिर्फ रस्म-अदायगी लगता है कि नुकसान बढ़ रहा है, इसलिए हमें बहुत कुछ करने की जरूरत है। कुछ करने की जरूरत है, वैज्ञानिक कम से कम तीन दशक से यह बता रहे हैं।

सेवा, सुशासन और गरीबों के कल्याण के 8 वर्ष

आज केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील एवं निर्णायक नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपने सफल 8 वर्ष पूरे कर रही है। पिछले 8 वर्ष भारत के लिए एक मानक स्थापित करने वाले वर्ष रहे हैं जिसके दौरान राष्ट्र ने कई बंधनों को तोड़ा है और जातिवाद, वंशवाद, भ्रष्टाचार एवं तुष्टिकरण की राजनीति से आगे बढ़ते हुए विकास, उन्नति, एकता और राष्ट्रवाद की राजनीति को अपनाया है।

यह उल्लेखनीय यात्रा हमारे समाज के हाशिए के वर्गों-गरीबों से लेकर पिछड़े वर्गों, दलितों, अल्पसंख्यकों एवं आदिवासियों तथा उत्पीड़ित वर्गों से लेकर महिलाओं एवं युवाओं तक - को सशक्त बनाकर लोकतंत्र को सही अर्थों में मजबूत करने की रही है। यह भारतीय मानस को बदलने की यात्रा भी रही है-इस देश में कुछ भी संभव नहीं है से लेकर सब कुछ संभव है अगर सरकार और लोगों की इच्छा एवं प्रतिबद्धता हो।

यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के प्रति 135 करोड़ भारतीयों की प्रतिबद्धता ही है जो आज धरातल पर झलक रही है। इससे यह भी सिद्ध होता है कि अगर किसी नेता के पास कोई नीति एवं कार्यक्रम, संकल्प एवं समर्पण हो, तो हर चुनौती से निपटा जा सकता है और हर समस्या का समाधान निकाला जा

सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सिर्फ बदला ही नहीं है, बल्कि उल्लेखनीय उन्नति और तेजी से विकास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। आज जब देश 'आजादी का अमृत काल' मना रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की चुनौतियों एवं समस्याओं से निपटने और उनका हल निकालने के लिए दृढ़ संकल्प और लचीलापन दिखाया है।

आज बदलते भारत के आठ वर्षों की झलक हर भारतीय की आंखों में दिखाई देती है। पिछले आठ वर्षों में हमारी गरीबी दर 22 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह गई है, जबकि अत्यधिक गरीबी एक प्रतिशत से नीचे गिर गई है और 0.8 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। पिछले आठ वर्षों में जहां हमारी प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई है, वहीं हमारे विदेशी भंडार में भी दो गुना वृद्धि हुई है।

आजादी के बाद से पिछले 70 वर्षों में जहां सिर्फ 6.37 लाख प्राथमिक विद्यालयों का निर्माण किया गया था, वहीं नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में अब तक 6.53 लाख स्कूल बनाए गए हैं। पिछले आठ वर्षों में हमारी साक्षरता दर में छह प्रतिशत का सुधार हुआ है, जोकि एक अनुकरणीय उपलब्धि है।

नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में 15 नए एम्स को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 10 में कामकाज शुरू हो गए हैं। अन्य पांच में निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। इसी तरह, डॉक्टरों की संख्या में 12 लाख से अधिक का उछाल आया है। पिछले 8 वर्षों में भारत ने दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क बनाया है, वहीं पिछले पांच वर्षों में हमारी सौर एवं पवन ऊर्जा की उत्पादन क्षमता दोगुनी हो गई है।

भारत ने साल दर साल खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड तोड़े हैं। 2012-13 की अवधि में हमारा खाद्यान्न उत्पादन 255 मिलियन टन था जोकि 2021-22 में बढ़कर 316.06 मिलियन टन हो गया। यह हमारे अब तक के इतिहास में सबसे अधिक उत्पादन है। कोविड महामारी के कारण वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद, भारत पिछले वित्तीय वर्ष में निर्यात के क्षेत्र में 418 अरब डॉलर का रिकॉर्ड बनाने में कामयाब रहा।

नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में कई नए मानक स्थापित किए गए हैं और देश की सेवा, सुशासन एवं गरीबों के कल्याण में कई मील के पत्थर पार किए गए हैं। भारत ने कोरोना महामारी के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे आगे बढ़कर इस लड़ाई का नेतृत्व किया। उन्होंने भारत को सिर्फ एक ही नहीं, बल्कि दो मेड इन इंडिया टीके दिए।

जगत प्रकाश नड्डा

मिला जुला

शासकीय लाहिड़ी स्नात्कोत्तर महाविद्यालय से 50 हजार से ज्यादा किताबें चारी होने का मामला सामने आया

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

अविभाजित छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश के सबसे पुराने कालेजों मे शुमार 1953 में स्थापित शासकीय लाहिड़ी स्नात्कोत्तर महाविद्यालय जहां से 50 हजार से ज्यादा किताबें चारी होने का मामला सामने आया है। जिसकी जानकारी के बाद लाहिड़ी पीजी कॉलेज के एल्युमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने पहुंचकर इसका जायजा लिया। ज्ञात हो कि चिरमिरी शहर में 1953 से संचालित शासकीय लाहिड़ी पीजी कालेज 6 दशक पूर्व का अपने आप में प्रख्यात कालेजों में से एक रहा है। जहां से कई शासकीयए प्रशासनिक व राजनितिज्ञों ने इस महाविद्यालय से अध्यापन कर क्षेत्र को गौरवांवित किया है। इसी कालेज में अपनी तहर का नया

मामला सामने आया है। जिसमें कालेज की लाईब्रेरी से 50 हजार से ज्यादा किताबे चोरी होने का है। इस मामले में महाविद्यालय परिसर पहुंचे पूर्व छात्रों के एल्युमिनी एसोसिएशन अध्यक्ष व पूर्व छात्र श्याम बिहारी जायसवाल ने मौके पर पहुंचकर उन्होंने इसका जायजा लिया। इस दौरान जायसवाल ने कहा कि यह कालेज ही नहीं है विद्या के मंदिर के साथ साथ चिरमिरी के धरोहर एवं प्रगति की महत्वपूर्ण कड़ी है। जिसको स्व. विभूति भूषण लाहिड़ी ने एक दूर दृष्टता के साथ इसकी स्थापना की थी। यहां सर्वसुविधायुक्त प्रोफेसर कॉलोनी, लाइब्रेरी, स्टाफ कक्ष, लैब, हर फेकल्टी के लिए रूम, आडिटोरियम, कैंटिन छात्राओं के लिए कॉमन हॉल था। एक-एक करके सभी की दशा और दिशा बदली है। 6 दशक पुराने इस महाविद्यालय से मैने भी अपनी एमएससी की पढ़ाई पूर्ण की है। छात्रों के लिए लाइब्रेरी एक बहुत महत्वपूर्ण जरिया होता है अध्ययन करने के लिए क्योंकि हमने भी लाइब्रेरी से सभी किताबे लेकर अपनी पढ़ाई पूरी की है। यहा आज मै खुद देख रहा था कि सन् 1930 की किताबें अभी भी लाइब्रेरी में है जो अध्ययन के लायक है। कई लोगों का कहना है कि सिलेबस से बाहर हो चुकी है किताबें तो मै उन्हे बताना चाहता हूं कि यहां जो भी किताबें थी वे सभी अध्ययन के लायक थी और रिफरेंस के रूप में छात्रों को उनकी जरूरत हमेशा पड़ती है। यह महाविद्यालय केवल एक महाविद्यालय नहीं ही वरन हमारे जैसे पूर्व छात्रों के लिए एक धरोहर और हमारी मां के समान है, यहां से हमारी बहुत सी भावनाएं जुड़ी हुई है। यदि महाविद्यालय के साथ कुछ भी गलत होगा तो हम उसके लिए हमेशा खड़े रहेंगे और अपनी आवाज बुलंद करेंगे। पुलिस प्रशासन से भी मेरा आग्रह है कि जल्द से जल्द इस ओर ध्यान दे और त्वरित कार्यवाही करते हुए उन सभी बेशकीमती किताबों को वापिस कालेज तक पहुंचाने का काम करें। साथ ही जो भी दोषी हो उनपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही हो। क्योंकि सभी किताबें कई दशक पुरानी और आज किसी कीमत पर उपलब्ध नहीं हो सकती है वे सभी बेशकीमती धरोहर है आने वाली पीढ़ी के लिए। किताबें यदि नहीं मिलती है तो कॉलेज में अध्ययन किए पूर्व छात्रों का संघ इसके लिए आंदालन करने को बाध्य होगा। बहरहाल जहां चिरमिरी कोयलांचल क्षेत्र में अभी तक कोयला, कबाड़, शराब व जुआ सट्टा का अवैध धंधों की चर्चा बनी रहती थी। लेकिन अब 50 हजार से ज्यादा किताबों की चोरी का यह अपने आप में अनूठा मामला है। लेकिन कालेज की इन किताबों से पढ़कर यहां से निकले छात्रों के लिए यह भावनात्मक जुड़ाव का मुद्दा बन चुका है।

7 तारीख को जब मै कॉलेज आई हूं तो मुझे लाइब्रेरी के प्रभारी ने बताया कि पुरानी लाइब्रेरी का ताला टूटा हुआ है। फि र अन्य स्टॉफो को भेजकर देखने को कहा जिसके बाद स्टाफो ने बताया कि सभी आलमारियों से किताबें गायब हैं। इसके बाद हमने तुरंत चिरमिरी थाने में लिखित सूचना भेजी। मै खुद इस महाविद्यालय से 2 दशकों से जुडी हुई हूं। यह घटना मुझे भी आश्चर्य चकित कर गई है।

प्राचार्य आरती तिवारी

मामला हमारे ग्रंथपाल के द्वारा किताबें चोरी होने की सूचना पर धारा 457, 380 भादवि के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रथम सूचना पत्र के बाद सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। विवेचना उपरांत आगे हम कुछ कह पायेंगे।

टीआई कमलकांत शुक्ला

एक नजर

सवा करोड़ का सवा 6 क्विंटल गांजा पकड़ाया

5 आरोपी, ट्रक, कार और मोबाईल किये गये जप्त

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

कार और मालवाहक से गांजा का अवैध परिवहन करने और अवैध बिक्री के लिए घर में गांजा छिपाकर रखने के मामले में सराईपाली तथा सिंघोड़ा पुलिस ने ओडिशा और सरायपाली के पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 6ण्33 क्विंटल गांजा जप्त कर नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई की है। सिंघोड़ा पुलिस एनएच 53 में ग्राम गनियारीपाली के पास वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान ओडिशा की ओर से आ रही ट्रक क्रमांक ओडी 07 पी 0595 को जांच के लिए रोका गया। पूछताछ में वाहन में बैठें दो युवकों में एक ने अपना नाम बालीछत्त शाही थाना जतना जिला खोरदा ओडिशा निवासी शेख अजीज 30 और दूसरे ने अपना नाम अख्तर खान 26 बताया। पुलिस ने जब वाहन की जांच की तो वाहन में कुल 6 क्विंटल गांजा मिला। पुलिस ने आरोपियों से गांजे के अलावा परिवहन में प्रयुक्त 9 लाख कीमती वाहन और मोबाईल तथा ढाई हजार रूपए नकद जप्त कर आरोपियों को नारकोटिक एक्ट 20 ख, के तहत जेल भेज दिया गया है। जप्त गांजे की कीमत 1.20 करोड़ रूपए आंकी गई है।

सिंघोड़ा पुलिस की कार्यवाही- इधर सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के रेहटीखोल के पास ओडिशा की ओर से आ रही कार क्रमांक ओडी 10 1838 से भी पुलिस ने गांजा जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस द्वारा जप्त किया गया गांजा 30 किलो वजनी है। पुलिस ने बताया कि पकड़े आरोपियों में ग्राम पड़कीताल थाना डोंगरीपाली जिला सोनपुर ओडिशा निवासी विरेंद्र कुमार सेठी 32 और अभिमन्यु डडसेना 25 शामिल है। वहीं सरायपाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मोखापुटका निवासी चैतन्य चौधरी के घर छापा मारकर 3 किलो गांजा जप्त की। जप्त गांजे की कीमत 30 हजार बताई है। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक एक्ट 20 ख, के तहत कार्रवाई की है।

ठेकेदार ऐशोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्री टी.एस बाबा को सौंपा ज्ञापन

निर्माण विकास कार्य पूर्ण होने बाद समय पर नहीं मिल रही राशि

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

ठेकेदार यूनियन के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द सिंह ठाकुर के नेतृत्व में महासमुन्द जिले के ठेकेदारों ने मा मंत्री को 9 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। एवं ठेकेदारों द्वारा माँग को लेकर पूरे प्रदेश में निविदा बहिष्कार की जानकारी दी, जिस पर मंत्री ने कहा कि आप लोगों के आंदोलन से पूरे प्रदेश में निर्माण कार्य की गति प्रभावित हुई है। जिस पर जिलाध्यक्ष धर्मेन्द सिंह ठाकुर ने कहा कि ठेकेदार कभी भी प्रदेश के निर्माण विकास कार्य बंद करना नहीं चाहताए

लेकिन परिस्थितियाँ ही ऐसी है कि मँहगे निर्माण सामग्री एवं सरकारी एस ओ आर दर में 60 से 70 प्रतिशत अंतर के कारण ठेकेदार चाह कर भी कार्य कर पाने की स्थिति में नहीं है। यदि अन्य राज्यों उड़ीसा, मध्यप्रदेश आदि की तरह छत्तीसगढ़ के ठेकेदारों को भी अंतर की राशी शासन देती है और हमारी अन्य मांगो पर सरकार द्वारा सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाता है, तो ठेकेदार छत्तीसगढ़ के निर्माण कार्य द्रुत गति से आगे बढ़ाने हमेशा ही तत्पर रहा है और है। जिस पर मा मंत्री ने आश्वस्त किया कि आप लोगों की सभी मांगों पर अतिशीघ्र विचार कर सभी जायज मांगो को पूर्ण करने का पूरा प्रयास किया जायेगा। उक्त अवसर पर जिलाध्यक्ष धर्मेन्द सिंह ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष रामस्नेही जायसवाल एवली मोहम्मद, ईश्वर सिन्हा, विकास जैन, इकबाल, रितेश चन्दाकर,नकवी, निखिल चन्दाकर सहित जिले के ठेकेदार उपस्थिति थे।

पति की लंबी आयु के लिये बेलसोंडा की महिलाओं ने रखा वट सावित्री का व्रत

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

ग्राम पंचायत बेलसोंडा मे सरपंच भामिनी पोखन चंद्राकर के निर्देशन एवम् नेतृत्व मे प्रत्येक धार्मिक कार्य पूरे रीति रिवाज के साथ संपन्न होता आ रहा है तथा हर कार्य एवं पूजा पाठ मे चंद्राकर के साथ जनसमुदाय हमेशा सहयोग करते हैं। इसी कड़ी में 30 मई 2022 को वट सावित्री व्रत कथा के आयोजन के लिए भी एक दिन पूर्व से ही तैयारी की जा चुकी थी ताकि योजनाबद्ध एवं पारंपरिक रीति रिवाज से व्रत कथा का श्रवण

गांव की सभी महिलाए ले सके। चंद्राकर ने व्रत कथा वाचन के लिए गांव की पंडिताइन वाणी तिवारी को पहले से ही निमंत्रित कर चुकी थी तथा ग्यारह बजे से कथा प्रारंभ होकर एक बजे समाप्त हुआ। सरपंच चंद्राकर ने कथा वाचन के लिए पंडिताइन वाणी तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए उनसे इसी प्रकार व्रत कथा प्रतिवर्ष सभी महिलाओं के साथ सुनते रहने का आशीर्वाद मांगा तथा सभी महिलाएं इसी प्रकार ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर पुण्य कमाकर सदैव सुहागन बने रहने के लिए ब्रह्मदेव से भी प्रार्थना किया।

वाणी तिवारी ने बताया कि इस प्रकार के पारंपरिक आयोजन मे नववधुओं को सीख मिलती है तथा इस प्रकार वे भी भविष्य में इस व्रत के महत्व को महत्व देते रहेंगे। सरपंच भामिनी पोखन चंद्राकर एवंवाणी तिवारी के साथ पंच त्रिवेणी चंद्राकरए हेमा साहू, ईशा धीवर एवं ग्रामीण महिलाओं में कल्याणी साहू, आशा धीवर, छल्ला साहू, कुमारी देवांगन, नेहा धीवर, तारा साहू, बृहस्पति धीवर, दिनेश्वरी साहू, लक्ष्मी देवांगन, कीर्ति साहू, चंद्रिका साहू, देवकी, संतोषी धीवर, दिनेश्वरी धीवर, अहिल्या साहू, आदि व्रती महिलाएं पूजा पाठ मे सम्मिलित होकर व्रत कथा का श्रवण करके अपने जीवन को धन्य किए। वट सावित्री व्रत कथा का आयोजन गांव के हृदय स्थल राम सत्ता चौक टेढ़ी पारा मे वट वृक्ष के नीचे हुआ तथा सायंकालीन बेला मे जय बजरंग मानस मंडली के प्रमुख शत्रुघ्न साहू एवं साथियों के साथ रामायण कथा का आयोजन संपन्न हुआ।

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड में रेखा शुक्ला की प्रतिनियुक्ति निरस्त करने प्रधानमंत्री को पत्र

छग शासन के सचिव डीडी सिंह के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की मांग

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर प्रबंध संचालक बनाई गई रेखा शुक्ला की प्रतिनियुक्ति तत्काल समाप्त किये जाने और नियम विरूद्ध प्रतिनियुक्ति आदेश जारी करने वाले सामान्य प्रशासन विभाग छग शासन के सचिव डीडी सिंह सहित अनियमिक आदेश के परिपालन में शामिल अधिकारियों के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की मांग को लेकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र प्रेषित किया गया है। ज्ञातव्य है कि छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रमोद्योग बोर्ड में प्रबंध संचालक का पद एक संवर्गीय पद है जिस पर नियमानुसार किसी आईएएस कैडर के अधिकारी की ही पदस्थापना की जा सकती है। शासन के ग्रामोद्योग बोर्ड के भरती नियम की अनुसूची 1 में यही प्रावधान है। नियम की अनुसूची तीन के तहत प्रबंध संचालक के पद को नियुक्ति से भरा जाना है। लेकिन रेखा शुक्ला के मामलों में इसका भी पालन नहीं किया गया है। रेखा शुक्ला खादी ग्रामोद्योग में सरकार के उपक्रम इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाईनेंस कंपनी लिमिटेड नई दिल्ली में महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थी। शुक्ला का प्रतिनियुक्ति आदेश छग शासन में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डीडी सिंह द्वारा गत वर्ष 13 मई 2021 को जारी किया गया है। प्रतिनियुक्ति हेतु सामान्य प्रशासन द्वारा संधारित नोट सीट में यह टिप्पणी अंकित है कि छत्तीसगढ़ मंत्रालय में अवर सचिव, उप सचिव तथा संयुक्त के रिक्त पदों पर केंद्रीय सचिवालय के अधिकारियों की सेवायें 3 से 5 वर्षों के लिए ली जा सकती है तथा भारत सरकार और राज्य सरकार की सहमति से अवधि में वृद्धि की जा सकती है। लेकिन नोटसीट में भारत सरकार के किसी उपक्रम के अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति में किसी संवर्गीय या अन्य पदों में लिये जाने के नियम का उल्लेख नहीं किया गया है। यद्यपि छत्तीसगढ़ में प्रतिनियुक्ति में सेवायें देने हेतु रेखा शुक्ला के अनुरोध का भी जिक्र अवश्य किया गया है। उक्त नोटसीट में शुक्ला की सेवाये प्रतिनियुक्ति में लेने हेतु वित्त मंत्रालय भारत सरकार को पत्र प्रेषित किया जाना प्रतिवेदित है। लेकिन भारत सरकार को पत्र ना भेजकर इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाईनेंस कंपनी को 12 मार्च 2021 को पत्र प्रेषित किया गया। पत्र मिलने के बाद कंपनी के महाप्रबंधक गौरव कुमार द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के उप

श्रीमती रेखा शुक्ला डी.डी. सिंह

सचिव जेएस राजपूत की 22 मार्च को प्रेषित पत्र में सूचित किया गया कि रेखा शुक्ला की सेवायें छत्तीसगढ़ राज्य को प्रतिनियुक्ति में सौपने में कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन प्रतिनियुक्ति दोनों संगठनों के बीच शर्तों पर सहमति के अधीन होगी। कंपनी द्वारा प्रतिनियुक्ति की शर्त उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया गया है। मगर कंपनी को शर्तें उपलब्ध न करा कर सीधे प्रतिनियुक्ति आदेश जारी कर दिया गया। कंपनी द्वारा भी शुक्ला को छग शासन ने संवर्गीय पद पर कार्य करने के लिये भार मुक्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि शासन के सामान्य प्रशासन के द्वारा शुक्ला की प्रतिनियुक्ति के लिये 30 अप्रैल 2021 को सचिव डीडी सिंह द्वारा सिधे मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत कर नोटसीट के पृष्ठ क्रमांक 7 पर स्वीकृति प्राप्त कर ली गई। स्पष्ट है उक्त नस्ती नीचले स्तर से आगे नहीं बढाई गई है। शुक्ला के नियम विरूद्ध आदेश के खिलाफ 12 फरवरी 2022 को भी मुख्यमंत्री को पंजीकृत पत्र प्रेषित कर सचिव डीडी सिंह के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कराये जाने की मांग की जा चुकी हैं।

कौन है रेखा शुक्ला क्या है पृष्ठभूमि

आईएएस कैडर के अधिकारी डॉ. आलोक शुक्ला सेवा निवृत्ती के बाद सीधे 3 वर्षों के लिये संविदा नियुक्ति प्राप्त करने वाले शख्स है। जो हजारों करोड़ रूपये के बहुचर्चित खाद्यान्न नागरिक आपूर्ति निगम घोटाला में शामिल है। डॉ. आलोक शुक्ला को कुछ माह पूर्व खादी ग्रामोद्योग विभाग का भी प्रमुख सचिव बना दिया गया हैं डॉ. शुक्ला के प्रभार में अन्य महत्वपूर्ण विभाग एवं प्रभाग भी है इस प्रकार से रेखा शुक्ला की सेवायें अब उसके पति के विभाग के अधीन हैं। उल्लेखनीय है कि छग खादी एवं ग्रमोद्योग बोर्ड द्वारा अन्य विभागों को करोड़ों रूपयों के वस्त्र-परिधान आदि की आपूर्ति की जाती है। सर्व विदित है कि ग्रमोद्योग बोर्ड द्वारा ऐसे उत्पादों का थोक मार्केट से क्रय कर सप्लाई किये जाते है। जो उनके उत्पादन केंद्रों में निर्मित नहीं होते। छग का ग्रामोद्योग बोर्ड एक कमिशन ऐजेंट के रूप में काम कर रहा है। तथा इस बोर्ड में प्रबंध संचालक पद पर विशेष महत्व रखता है। ऐसी स्थिति में वित्तीय अनिमित्ताओं की जांच या तो रेखा शुक्ला के पति डॉ आलोक शुक्ला करेंगे अथवा उनके अधीनस्थ अधिकारी।

जवाब मांगते, सुलगते सवाल

क्या किसी कंपनी में कार्यरत अधिकारी राज्य शासन के अधीन संचालित किसी विभाग या अन्य संस्था के संवर्गीय पद आईएएस कैडर के लिये आरक्षित पद पर प्रतिनियुक्ति में अपनी सेवायें उस स्थिति में भी दे सकता है। जब भरती नियमों में ऐसा प्रावधान ही न हो। छग शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय को पत्र प्रेषित किया जाना प्रतिवेदित होने के बावजूद कंपनी को पत्र क्यों भेजा गया। दोनों संगठनों के बीच प्रतिनियुक्ति की सेवाओं की शर्तों का निर्धारण क्यों नहीं किया। जैसा कि 22 मार्च 2021 को जारी कंपनी के पत्र में अभिवर्णित है। क्या भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अनुमति के बिना रेखा शुक्ला को कंपनी से भारमुक्त किया जाना उचित था। क्या भारत सरकार की अनुमति के बिना कंपनी के महाप्रबंधक गौरव कुमार द्वारा अपने पसंदीय सामर्थ्य में प्रतिनियुक्ति देना नियमानुकूल माना जाना चाहिये। क्या रेखा शुक्ला द्वारा प्रतिनियुक्ति हेतु आवेदन पत्र उचित माध्यम से प्रेषित किया गया था। पूरे मामले की विस्तृत जानकारी और दस्तावेजों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सितारमण तथा भारत सरकार को वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर किसान मजदूर संघ छग के संयोजक ललित चंद्रनाहू ने रेखा शुक्ला की प्रतिनियुक्ति आदेश को तत्काल निरस्त किये जाने के साथ प्रतिनियुक्ति की प्रक्रिया को अंजाम तक पहुंचाने के लिये सामान्य प्रशासन विभाग के प्रति डीडी सिंह और अन्य अधिकारियों के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की मांग की है।

एक नजर

तुंहर सरकार तुंहर द्वार: घर बैठे ही लोगों को मिला 10 लाख स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण पत्र तथा ड्राइविंग लायसेंस

आवेदकों को ड्राइविंग लायसेंस और पंजीयन प्रमाण पत्र के लिए बार-बार चक्कर लगाने से मिली मुक्ति

परिवहन विभाग द्वारा हेल्पलाईन नम्बर 75808 08030 जारी

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन विभाग द्वारा नई सुविधा ष्तुंहर सरकार तुंहर द्वारष् का कुशलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इसके तहत केवल जून से मार्च माह तक एक साल से कम की अवधि में 10 लाख 01 हजार 07 सौ स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण.पत्र और ड्राइविंग लायसेंस आवेदकों के घर भेजे जा चुके हैं। इनमें 06 लाख 66 हजार 822 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण.पत्र तथा 03 लाख 31 हजार 947 ड्राइविंग लायसेंस शामिल हैं। परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा ष्तुंहर सरकार तुंहर द्वार के सुव्यवस्थित संचालन के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा संचालित तुंहर सरकार तुंहर द्वार योजना लोगों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। इसमें लोगों को परिवहन संबंधी 22 सेवाएं उनके घर के द्वार पर पहुंचाकर दी जा रही है। जन केन्द्रित इस सुविधा के अंतर्गत लोगों को अब बार-बार परिवहन विभाग का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। इससे आवेदकों के धन तथा समय दोनों की ही बचत हो रही है। परिवहन विभाग द्वारा बताया गया है कि तुंहर सरकार, तुंहर द्वार सेवा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए विभाग द्वारा एक हेल्पलाईन नम्बर 75808.08030 जारी किया गया है, जो सभी कार्य दिवसों में प्रात: 10 बजे से शाम 5ण्30 बजे तक कार्य करते हुए जानकारी प्रदान करता है। आवेदक चाही गई जानकारी ई.मेल आईडी पर भी अपनी मेल भेजकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त हेल्पलाइन नम्बर पर फोन करके आवेदक अपने ड्रायविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र के प्रेषण संबंधी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अभी औसतन प्रतिदिन 100 कॉल आ रहे हैं। जिसमें मुख्य रूप से ड्रायविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रक्रियाए टैक्स एवं फीस संबंधी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत तोरा में राजीव गांधी युवा मितान क्लब का गठन

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

तोरा ग्राम पंचायत तोरा में राजीव गांधी युवा मितान क्लब का गठन किया गया। जिसमें पंचायत सचिव गौकरण सिंह ठाकुर द्वारा विभिन्न पदों का गठन किया गया जिसमें सरपंच जीवनधार साहू मौजूद हुए हैं। अध्यक्ष कन्हैया, गोविंद ध्रुव, उपाध्यक्ष लक्ष्मी देवांगन, जितेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष हिमांशु साहू, सचिव तीरथ ध्रुव, सहसचिव टुकेश साहू, जागेश्वरी साहू पुरे कार्यक्रम के संचालनकर्ता सुशील भारती, मुकुंद भारती आदि लोग उपस्थित थे। और राजीव गांधी युवा मितान क्लब के सदस्यगण अशोक साहू, कमलेश सोनवानी, भारत देवांगन, चैतराम साहू, सुनील साहू, किरण साहू, सुनीता साहू, संगीता ध्रुव, नागेश्वरी साहू, सरोज साहू, रत्ना रात्रे, योगेश साहू, राकेश साहू, संध्या पात्रे, राजेश साहू, रज्जु साहू, अरुण साहू, लोचन देवांगन, संतोषी साहू, राजेश्वरी श्रीवास, निर्मला साहू, लोकेश्वरी देवांगन, डोमनलाल साहू, सोना निषाद।

धार्मिक भावना को आहत करने वाला भेजा गया जेल

कोरबा । सुधीर जैन पिता डॉ.जी के जैन, थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया किए यह जैन मिलन समिति जिला कोरबा का अध्यक्ष है, जो दिनांक 25 मई 2022 को इनका दिगम्बर जैन समाज का पांच जैन मुनि, धर्म गुरू कोरबा प्रवास पर आये हुये थे, जो 26 मई 2022 को कोरबा भ्रमण दौरान इनका आरोपी जैनेन्द्र कुर्रे, द्वारा फोटोग्राफी कर इनके धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाते हुये भड़काउ शब्द लिखकर फेसबुक मे डाल दिया, जो रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कोरबा मे अपराध क्रमांक 496/2022 धारा 295 भादवि कायम कर आरोपी का पता तलाश मोबाईल लोकेशन के आधार पर किया जाकर आरोपी जैनेन्द्र कुर्रे पिता व्यासनारायण कुर्रेए उम्र 31 वर्ष, को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय पेश किया गया।

सरगुजा कमिश्नर जीआर चुरेन्द्र ने विकास खंड स्तरीय ली समन्वय बैठक

सरगुजा कमिश्नर जीआर चुरेन्द्र ने कुनकुरी और दुलदुला विकासखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक ली

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

सरगुजा कमिश्नर जीआर चुरेन्द्र ने विगत दिवस दुलदुला और कुनकुरी के जनपद पंचायत सभाकक्ष में विकास खंड के जनप्रतिनिधि, सरपंच और बीडीसी की समीक्षा बैठक लेकर सुशासन पंचायती राज व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण ग्राम स्वराजए ग्राम सुराज की परिकल्पना को साकार करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को अपने अपने ग्राम पंचायतों को मजबूत करने के लिए सहयोग प्रदान करने के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं को गंभीरता से सुने और उनका समाधान भी करते जाएं आपसी समन्वय से गांव के विकास कार्य में सहभागी बने। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नरवा,घरवा,घुरूवा बाड़ी योजना गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजनाए और अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कमिश्नर जीआर चुरेन्द्र ने गांव की स्व सहायता समूह की महिलाओं को गोठान में विभिन्न गतिविधियां करने के लिए साथ ही चारागाह। बाड़ी विकास, मछली पालन से अतिरिक्त आमदनी अर्जित करने के लिए कहा साथ ही जल संरक्षण और संवर्धन के ग्राम पंचायतों में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए हैं पंचायतों में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने और नर्सरी तैयार करने के भी निर्देश दिए हैं। कुनकुरी एसडीएम रवि राही और विकास खंड के अधिकारीगण और सरपंचगण उपस्थित थे।

कला जत्था एवं नाचा दलों की मोहक प्रस्तुतियों के जरिए जन-जन तक पहुंच रही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजनों को अवगत कराने जनसंपर्क विभाग द्वारा कला जत्था दल के माध्यम से जिले के गांव-गांव तक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। लोगों को लोक नृत्य, लोक गान तथा नाटक के द्वारा मनोरंजन के साथ ही साथ महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी मिल रही है।

कला जत्था ग्रामीण जनता तक छत्तीसगढ़ी संस्कृति के माध्यम से सुलभता से जनहितैषी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का सुगम माध्यम साबित हो रहे हैं। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के पांचों विकासखण्डों में 03 कला जत्था दलों सोशियल वेलफेयर सोसायटी, रिंगी चिंगी डण्डा लोक नृत्य दल एवं आरोग्य जनकल्याण संस्था दल के द्वारा कुल 45 गांवों में कार्यक्रम किए जाएंगे। कला जत्था दलों द्वारा अब तक विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम पटना, डुमरिया, महोरा, डबरीपारा, खोडरी, बुढ़ार, जमगहना में मोहक प्रस्तुति के माध्यम से लोगों को विभिन्न योजनाओं की सरल, सहज और सरस तरीके से तथा हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा के माध्यम से राज्य शासन की फ्लेगशिप योजनाओं गोधन न्याय योजनाए राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, किसानों की कर्जमाफ ी, धान खरीदी, ब्याजमुक्त कृषि ऋण योजना, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना, दाई-दीदी क्लीनिक योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल, धनवंतरी मेडिकल जैनरिक स्टोर तथा नरवा, गरवा, घुरवा और बारी जैसी अनेक योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही जनसम्पर्क विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्रकाशित पत्रिका का भी नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है।

आकाशीय बिजली से प्रभावित 3 मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रूपए की सहायता राशि का चेक दिया

मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को तत्काल सहायता राशि देने के निर्देश दिए थे

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सार्थक पहल से कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने बगीचा विकासखण्ड के सन्ना क्षेत्र के अंतर्गत् बूरजूडीह में आकाशीय बिजली से प्रभावित 03 मृतकों के परिजनों को जिला प्रशासन ने आरबीसी 6.4 के तहत् 4 लाख की सहायता राशि का चेक दिया। जिला प्रशासन की ओर से विधायक विनय भगत ने प्रभावित परिजनों को चेक सौंपा। इस अवसर पर बगीचा एसडीएम प्रताप विजय खेस्स, सन्ना तहसीलदार सुनील गुप्ता उपस्थित थे। मृतक में 24 वर्षीय ब्रहमा, 12 वर्षीय सोनिया, 23 वर्षीय दिलेश्वर शामिल थे। सन्ना तहसीलदार से प्राप्त जानकारी के अनुसार सन्ना तहसील क्षेत्र में विगत दिवस 29 मई 2022 को आकाशीय बिजली से कुल 14 लोग प्रभावित हो गए थे। इनमें से 03 लोगों की मृत्यु हो गई थी। जिसमें 2 पुरुष और एक 12 वर्ष की बालिका शामिल हैं। जिला प्रशासन ने तत्काल घायल मरीजों को सन्ना के नजदीक बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया और जिला प्रशासन जशपुर के अधिकारियों ने मरीजों को तत्काल शंकरगढ़ पहुंचकर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई। इनमें से शंकरगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र से घायल 09 मरीजों को डिस चार्ज कर घर वापस भेज दिया गया है। अंम्बिकापुर से भी 01 मरीजों को डिस चार्ज कर दिया गया है तथा 01 मरीज का ईलाज अंम्बिकापुर में चल रहा है और 01 गंभीर मरीज को रायपुर रिफर किया गया है।

विधायक एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने परिजनों को चेक सौंपा

* 9 लोगों का ईलाज के उपरांत डिस चार्ज किया गया है
* 1 का अम्बिकापुर और 01 का रायपुर में चल रहा ईलाज

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री की प्रतीमा के लिए स्थान आवंटित करने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जोहार छत्तीसगढ़-जगदलपुर।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने 29 मई को छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 30 मई को उनकी स्मृति अजीत जोगी का स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी जनसेवा को याद किया। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के बस्तर जिला, अध्यक्ष व बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक नवनीत चांद के नेतृत्व,शहर, एवं जिला ब्लाक के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतीमा स्थापित करने के लिए स्थान आवंटित करने की मांग सरकार से की। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के जिला अध्यक्ष व मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक नवनीत चांद ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री माननीय अजीत जोगी एक युग पुरुष थे। छत्तीसगढ़ की माटी में एक गरीब आदिवासी के यहां जन्मे जोगी ने गरीबी, लाचारी और असहाय से भरे विषम काल में पल बढ़ कर, परिस्थितियों से लड़ कर, एक दक्ष गोल्ड मेडलिस्ट इंजीनियर, प्रोफेसर, आईपीएस एवं आईएएस बने और छत्तीसगढ़ राज्य बनने के उपरान्त प्रथम मुख्यमंत्री बनकर उन्होंने छत्तीसगढ़ की अस्मिता का मान बढ़ाया और सदैव किसानों व गरीबों का मसीहा बने रहें, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, असहाय और पिछड़ों के उत्थान और सेवा के लिए कार्य किया एवं संपूर्ण जीवन न्यौछावर किया। नवनीत चांद ने कहा कि युगपुरुष माननीय अजीत जोगी छत्तीसगढ़ महतारी के सच्चे पुत्र थे। छत्तीसगढ़ के लोगों को जोगी से अपार स्नेह था और आम लोगों ने उन्हें कभी भी नेता नहीं बल्कि घर के एक सदस्य के रूप में मान दिया। छत्तीसगढ़ के ढाई करोड़ जनता की जनभावनाओं का सम्मान करते हुएए छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री माननीय अजीत जोगी की प्रतीमा के लिए सरकार सार्वजनिक स्थान पर जमीन आवंटित करें ताकि उनकी प्रतीमा के स्वरुप से उनके आदर्श लोगों के हृदय में अविस्मरणीय बने रहें। अजीत जोगी की जीवनी, उनका परिश्रम और जनसेवा भाव उनकी प्रतीमा के प्रतीक के रूप में आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बने। उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष नवनीत चांदमुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष भरत कश्यप जिला उपाध्यक्ष, जगदलपुर विधानसभा प्रभारी नीलाम्बर सेठिया जगदलपुर ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष अजय बघेल,शैलेन्द्र वर्मा,धनशाय बघेल,मोहन मौर्य, कमल गजविर, गीता भारती,पाकलू, पीतम,दयतारी, गुरमीत कौर, पिंकी तिलक, गीता नाग, कृष्णा, हीरालाल धर्मेंद्र, कुंदन,बौद्धनाथ आदि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे।

मंत्री बाबा के प्रेसवार्ता में पत्रकारों को मांगने पर पानी भी नहीं पिलाई

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुन्द।

कांग्रेस और सरकार की गुटीय राजनीति के शिकार अब पत्रकार होने लगे हैं। इसका सबसे बड़ा नमूना महासमुन्द में देखने को मिला। स्वास्थ्य एवं पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव की पत्रकारवार्ता में मांगने पर एक वरिष्ठ महिला पत्रकार को पानी तक नहीं पिलाई गई।

लोकाचार और लोक व्यवहार के प्रतिकूल व्यवहार करने के लिए प्रोटोकॉल अधिकारी के विरूद्ध दंडात्मक कार्यवाही की मांग पत्रकार कर रहे हैं। प्रेस क्लब महासमुन्द के अध्यक्ष आनंदराम पत्रकार ने इसकी निंदा करते हुए इसके लिए जिम्मेदारी सुनिश्चित कर तत्काल दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव से की है। उल्लेखनीय है कि बीते दो दिन से स्वास्थ्य मंत्री के बंगले से जिले के पत्रकारों को ढूंढ-ढूंढकर प्रेसवार्ता के लिए निमंत्रण दिया जा रहा था। जिला प्रशासन अथवा जिला जनसंपर्क विभाग ने मंत्री के प्रेसवार्ता की व्यवस्था की जहमत भी नहीं उठाई। इसे सरकार में गुटीय राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 मई की सुबह 10 बजे मंत्री प्रेसवार्ता को संबोधित करने वाले थे। रविवार दोपहर तक उनका प्रोटोकॉल ऐसे ही निर्धारित था। बाद में अचानक 29 मई की शाम 6.30 बजे प्रेसवार्ता होने की सूचना प्रसारित की गई। पत्रकार अल्प सूचना पर भी नियत समय पर सर्किट हाउस पहुंच गए। गर्मी का मौसम होने से प्यास लगना स्वाभाविक है। पत्रकार करीब पौन घंटे तक मंत्री के सर्किट हाउस पहुंचने का इंतजार करते रहे। इस बीच एक वरिष्ठ महिला पत्रकार ने पानी मांगी। जिसे अनसुना कर दिया गया। इस बीच ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष खिलावन बघेल पहुंचे। उन्हें आवाज देकर महिला पत्रकार ने पानी भेजने का आग्रह किया। इस पर उन्होंने पलटकर हल्के अन्दाज में जवाब दिया कि पत्रकार खुद भी पानी मंगवा सकते हैं। इस पर हस्तक्षेप करते हुए प्रेस क्लब अध्यक्ष आनंदराम पत्रकारश्री ने कहा कि अब पत्रकारों को पानी के लिए भी गिड़गिड़ाना पड़ेगा। इस बीच मंत्रीपहुंच गए और घोर अव्यवस्था और धक्का मुक्की के हालात के बीच प्रेसवार्ता प्रारंभ हो गई। आधा घंटा तक प्रेसवार्ता चली। इस बीच, प्रेसवार्ता के पहले अथवा बाद में स्वल्पाहार अथवा चाय तो दूर पानी मांगने पर भी पत्रकारों को पानी नहीं पिलाई गई। इससे नाराज वरिष्ठ पत्रकारों ने निकट भविष्य में प्रेसवार्ता का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। लोकाचार का पालन नहीं करने से पत्रकार अपमानित महसूस कर रहे हैं। प्यासे को पानी नहीं पिलाना, कितना उचित है। यह निर्णय हम सुधि पाठकों पर छोड़ते हैं।

सर्किट हाउस में चलती रही कानाफूसी

मंत्री टीएस सिंहदेव के आधिकारिक दौरे में कद्दावर नेताओं की गैर मौजूदगी और जिले के शीर्ष अफसरों की अनुपस्थिति को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रही। एक ओर जहां संसदीय सचिव व महासमुन्द विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर, खल्लारी विधायक व संसदीय सचिव द्वारिकाधीश यादव, सराईपाली विधायक किस्मत लाल नंद, बीज विकास निगम अध्यक्ष अग्नि चंद्राकर जैसे अनेक वरिष्ठ और कद्दावर नेता नहीं दिखे। वहीं दूसरी ओर जिले के ज्यादातर शीर्ष अफसर सर्किट हाउस में नजर नहीं आए। कलेक्टर एसपी की गैरमौजूदगी भी चर्चा का विषय रहा। इसे लेकर जनमानस में जमकर कानाफूसी होती रही।

एक नजर

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

जोहार छत्तीसगढ़–रतनपुर।

बट सावित्री अमावस्या पर सुहागिन महिलाओं ने पति की दीर्घायु के लिए वट वृक्ष की पूजा की इस दिन महिलाएं निर्जला उपवास करते हैं पूजन के उपरांत सत्यवान सावित्री की कथा सुनते हैं सुबह से ही महिलाएं वट वृक्ष की पूजा करते हैं रतनपुर बूढ़ा महादेव,नातेश्वर तालाब,गांधीनगर तलाब आदि जगह वट वृक्ष की पूजा की गई जिसमें बहुत महिलाओं द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूजन पूर्ण माहौल में वट सावित्री की पूजा की गई इस दिन महिलाएं सुहाग श्रृंगार के साथ पूजन अर्चन करते हैं तथा विभिन्न प्रकार के फल वट वृक्ष को समर्पित करते हैं ऐसी पौराणिक मान्यता है कि आज अमावस्या के दिन सत्यवान का ही सत्यवान की मृत्यु हुई थी पत्नी सावित्री ने उनके प्राण लेने के लिए यमराज का यमलोक तक पीछा किया और प्राण वापस लेकर आई इसी मान्यता के अनुसार हर वर्ष वट सावित्री की पूजा की जाती है बता दें वट सावित्री व्रत जिसमें पत्नी अपने पति के अच्छे स्वास्थ्य एवं लंबी आयु का वरदान पानी कृति है हर साल जेठ मास की कृष्ण पक्ष के अमावस्या को यह व्रत किया जाता है इस व्रत में वट वृक्ष की पूजा के साथ भगवान भोलेनाथ की भी पूजा की जाती है।

सरस्वती निःशुल्क साइकिल योजना के तहत छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया

जोहार छत्तीसगढ़–रतनपुर।

रतनपुर कन्या शिक्षा परिसर में कक्षा नवमीं की 82 छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के तहत निःशुल्क साइकिल वितरण किया गया। निःशुल्क साइकिल पाकर छात्राएं उत्साहित नजर आयी। छात्राओं ने कहा कि स्कूल आने-जाने में कई तरह की परेशानी होती थी। लेकिन अब साइकिल से आने-जाने में परेशानी नहीं होगी। रतनपुर उत्कृष्ट संस्था शा.कन्या उ.मा.शा रतनपुर परिसर में सरस्वती निःशुल्क साइकिल योजना के तहत छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया। साइकिल वितरण कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण चौहान मुख्य आतिथ्य और छाया विधायक विभोर सिंह की अध्यक्षता में हुआ। इस औसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण चौहान ने कहा कि इस योजना के तहत साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं के लिए शासन से मिले उपहार उनकी आगे की पढ़ाई के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय से दूर रहने वाली और आर्थिक तंगी से जुझ रहे परिवार की बेटियों के लिए यह योजना एक बड़ा वरदान है। इस योजना के तहत साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राएं अपने घरों से आसानी से पढ़ाई के लिए स्कूल पहुंच सकती है इस अवसर पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम रात्रे, आशीष शर्मा,वादिर खान,आनंद जायसवाल, सहित बड़ी संख्या में पालक व छात्राएं उपस्थित रहे।

घर में घुसकर मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोरबा । प्रार्थीया उमा श्रीवास ने एक लिखित प्रथम सूचना पत्र दर्ज कराया कि इसका पड़ोसी कमल महंत के द्वारा 26 मई 2022 के दरमियानी रात 1 बजे घर के बाहर सड़क में रेत गिट्टी को रख देने की बात पर से अश्लील गाली गुप्तार करते हुए प्रार्थीया उमा श्रीवास के घर का दरवाजा धक्का देकर खोलकर जबरजस्ती घर में घुसकर मां बहन के अश्लील गाली देते हुए डंडे से मारपीट किया है। रिपोर्ट पर थाना पाली में धारा 452,294,506,323 आईपीसी के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल पटेल के द्वारा 29 मई 2022 को आरोपी कमल महंत को पाली से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

वट सावित्री का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया

जोहार छत्तीसगढ़–सीतापुर।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के सीतापुर सहित अलग-अलग इलाकों में भी वट सावित्री का पर्व धूमधाम से मनाया गया। आपको बता दे कि इस पर्व के मौके पर सभी हिंदू समाज की महिलाओं ने अपने पति व परिवार की दीर्घायु के लिए उपासना करते हुए वट वृक्ष की पूजा अर्चना की है। सरगुजा के सीतापुर सहित अलग-अलग स्थानों में सुबह से ही सभी समाज के शादीशुदा महिलाओं का तांता वट सावित्री की पूजा के लिए लगा रहा जहां सभी महिलाओं ने अपने पति के दीर्घायु के लिए वट वृक्ष की पूजा अर्चना करते हुए धागा बांधकर उनकी लंबी उम्र की भगवान से कामना की है। वहीं मीडिया से खास बातचीत में वट वृक्ष का पूजाअर्चना करने पहुंची महिलाओं ने बताया कि वे हर साल वट सावित्री का पर्व मनाती हैं। विदित हो कि पौराणिक कथाओं के अनुसार माता सावित्री सत्यभान के लिए यह पूजा-अर्चना करती थी जिसे हिंदू धर्म की महिलाएं भी अपने पति की लंबी उम्र के लिए इस पर्व को मनाती हैं और कथा सुनकर वट वृक्ष की पूजा अर्चना करती हैं।

क्षेत्र के किसान जुटे खेती किसानी की तैयारी में

जोहार छत्तीसगढ़–सीतापुर।

नौतपा के बीच सरगुजा में लगातार बीते एक सप्ताह से दोपहर के बीतने बाद प्रतिदिन लगातार मौसम का मिजाज बिगड़ रहा है। और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो रहीं है। आपको बता दे कि सरगुजा में प्री मानसून की दस्तक के बीच यहां के किसान मानसून के आगमन से पहले मौसम के मानसूनी होने के बीच अपने खेती किसानी की तैयारी में जुट गए है। जो प्री-मानसून की दस्तक के बीच अपने खेतों में नांगर जोतते और सरगुजा के अलग-अलग सहकारी समितियों से यहां के किसान खेती के लिए उपयोगी खाद का उठाव कर रहें है। वहीं मीडिया से खास बातचीत में किसानों ने बताया कि बीते एक सप्ताह से यहां प्रतिदिन दोपहर बीतने के बाद मौसम बिगड़ रहा है और बारिश हो रहीं है जिससे यहां का नौतपा के उमस भरी गर्मी के बीच मौसम ठंडा और सुहाना हो गया है और खेती के लिए भी मौसम का बिगड़ना अच्छा है और सरगुजा में हल्की बारिश के बीच यहां के किसान खेती में जुट गए है।

बेमेतरा में त्रि-दिवसीय महायज्ञ बरसाईत चौका आरती का आयोजन

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

बेमेतरा के टाउन हॉल में कबीर साहेब के प्रकट दिवस के अवसर पर इकाई मानिकपुरी पनिका समाज द्वारा त्रि-दिवसीय बरसाईत चौका आरती का आयोजन। किया जा रहा है दूसरे दिन सोमवार को टाउन हॉल से पैदल सिंघोरी वार्ड 14 स्थित तालाब से जल लेकर सैकड़ों लोगो ने निकाली शोभा यात्रा। कबीर के अनुयायियों और संतों द्वारा लगाए गए कबीर के जयकारे जयकारे से पूरा माहौल कबीरमय हो गया। बेमेतरा के टाउन हॉल में कबीर पंथी मानिकपुरी पनिका समाज ब्लॉक इकाई के द्वारा। त्रि-दिवसीय बरसाईत महायज्ञ चौका आरती का कार्यक्रम के आयोजन में छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों से शामिल हुए मानिकपुरी पनिका समाज के लोग। 31मई रविवार को चौका आरती के पश्चात त्रि दिवसीय कार्यक्रम का होगा समापन।

स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने की दिशा में प्रशासन के मजबूत कदम

143 दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण, 847 को जारी हुए दिव्यांगता प्रमाणपत्र

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

जिले में आमजन तक सहजता और सुलभता से स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए गत दिनों जिला प्रशासन की विशेष पहल पर विकासखंड मुख्यालयों, नगरीय निकायों और सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक विभिन्न स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये गए हैं। इन शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांचए उपचार, दवाइयों से लेकर आवश्यक दस्तावेज तथा सहायक उपकरण की भी तत्काल सुविधा मिली। इनमें प्रशासन के विशेष प्रयास पर दिव्यांगजनों की मदद के लिए मेडिकल बोर्ड तथा दैनिक जीवनचर्या को सुगम बनाने आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। जिले में बीते तीन महीनों में हुए स्वास्थ्य शिविरों में समाज कल्याण विभाग द्वारा कुल 145 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिनमें 21 व्हीलचेयर, 58 बैसाखी, 16 छड़ी, 16 ट्राइसिकल, 03 ब्लाइंड स्टीक, 17 श्रवनयंत्र, 14 मोटराइज्ड ट्राइसिकल का वितरण किया गया है। इसी तरह दिव्यांगजनों की सहायता के लिए शिविरों में मेडिकल बोर्ड भी उपस्थित रहा, शिविर स्थल पर ही आवेदकों से आवेदन लिए गए और ऑनलाइन कर दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए गए। इन शिविरों के माध्यम से अब तक 847 दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाया गया है।

मोटराइज्ड ट्राइसिकल पाकर खुश हुई सन्तोषी, सब्जी विक्रय कर आत्मनिर्भर बनेंगे बबलूकेल्हारी में आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर में ग्राम नारायणपुर की सन्तोषी मोटराइज्ड ट्राइसिकल पाकर बहुत खुश हुईं उन्होंने कहा कि अब मुझे आवागमन के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। वहीं ग्राम मोरगा के बबलू ने बताया कि शिविर में मैंने मोटराइज्ड ट्राइसिकल के लिए आवेदन किया जिसपर समाज कल्याण विभाग द्वारा तुरन्त ट्राइसिकल उपलब्ध करायी गईए अब मैं इसके माध्यम से सब्जी विक्रय का कार्य करूंगा।

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना से कोरिया जिले के 6 बच्चे हुए लाभान्वित

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपए की राशि बच्चों के खाते में अंतरित किया।

वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन के अन्य दस्तावेजों का भी वितरण किया गया। इसमें हितग्राही बच्चों का पास बुक, स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री का बच्चों के नाम स्नेह पत्र और प्रमाण पत्र इत्यादि शामिल हैं। जिला कलेक्टोरेट कार्यालय में स्थित स्वान कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह और कलेक्टर कुलदीप शर्मा द्वारा उक्त दस्तावेज जिले के ऐसे 06 हितग्राही बच्चों को वितरित किया गयाए जिन्हें इस योजना के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान देश के प्रधानमंत्री ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना जैसे विपदा में जिन बच्चों ने अपने माता अथवा पिता या फिर अपने अभिभावक को खोया है उनके लिए चुनौतियोंध्मुश्किलों को कम करने का प्रयास है पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन। इसके लिए 18 साल या उससे कम उम्र के बच्चों के खाते में 10 लाख रुपए की राशि योजना के तहत डाली गई है। बच्चे इस सहायता राशि को 23 साल की उम्र पहुंचने पर निकाल पाएंगे। इसके अलावा व्यक्तिगत जरूरतों के लिए 18 साल की उम्र पूरी करने पर बच्चों को मासिक वित्तीय सहायता भी मिलेगी। 23 साल तक की उम्र तक इन बच्चों का आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रूपए तक का स्वास्थ्य बीमा का लाभ भी मिलेगा। आज स्वास्थ्य बीमा का कार्ड भी वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान हितग्राही बच्चों को प्रदाय किया गया। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत कक्षा पहली से बारहवीं तक छात्रवृत्ति के तौर पर 20 हजार रुपए इन बच्चों को दिया जाएगा। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अभिलाषा बेहार, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नक्सल प्रभावित जिलों में 100 प्रतिशत 4-जी कनेक्टीविटी देने की है योजना

सुकमा के गीदम नाला में शुरू हुई 4-जी मोबाईल नेटवर्क

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

गीदम नाला व आसपास क्षेत्रों के ग्रामीणों में हर्ष का माहौल

सुकमा से छिन्दगढ़ तक, अब नहीं होगी मोबाईल नेटवर्क की ब्रेक

जिला सुकमा के अंदरूनी क्षेत्रों को मोबाईल कनेक्टीविटी से जोड़ने एवं बेहतर इंटरनेट सुविधायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन-प्रशासन के द्वारा 100 प्रतिशत 04 जी कनेक्टीविटी हेतु योजना के तहत कुल 116 नये जियो टावर स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

योज्ञान सिंह उप पुलिस महानिरीक्षक सीआरपीएफ सुनील शर्मा पुलिस अधीक्षक, जिला सुकमा, कुलदीप जैन कमाण्डेन्ट 226 वाहिनी सीआरपीएफ के मार्ग दर्शन एवं शकिरन चव्हाण अति. पुलिस अधीक्षक जिला सुकमा के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त प्रयास से सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जियो के नवीन टावर स्थापित किये जा रहे हैं। इस योजना के तहत जिला मुख्यालय से 08 किमीण् दूरी पर गीदम नाला में प्रथम टावर स्थापित कर 29 मई 2022 को जियो 04 जी मोबाईल नेटवर्क का शुरूआत किया गया। मोबाईल कनेक्टीविटी शुरू होने से गीदमनाला व इससे लगे ग्रामों के ग्रामीणों में हर्ष का माहौल बना हुआ है।

इससे पूर्व में जिला मुख्यालय से महज 3-4 किमी दूर जाने से ही मोबाईल नेटवर्क में ब्रेक लग जाता था। मोबाईल कनेक्टीविटी शुरू हो जाने से सुकमा से छिन्दगढ़ तक नेटवर्क में ब्रेक नही लगेगा।जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में शेष जियो के नवीन टावर स्थापना का कार्य सायबर सेल टीम के निगरानी में तीव्र गति से प्रगतिरत् है। आगामी 01 माह के अदंर जिले के अन्य अंदरूनी क्षेत्रों में जियो 04 जी मोबाईल कनेक्टीविटी शुरू हो जायेगी।

एस्केप लाइव में अपने किरदार से कैसे जुड़ीं श्वेता त्रिपाठी

द गॉन गेम और मिर्जापुर जैसी फिल्मों के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी शर्मा का कहना है कि वह सिद्धार्थ कुमार तिवारी की एस्केप लाइव में अपने किरदार से अच्छी तरह जुड़ी हैं। श्वेता ने साझा किया कि वह अपनी ऑन-स्क्रीन भूमिका से कैसे जुड़ी है- सुनैना वह है जो बिना किसी एजेंडा के बिना शर्त समर्थन देती है और मै वास्तविक जीवन में ऐसी ही हूं, यह किरदार मेरे बहुत करीब है जिससे मुझे बहुत खुशी हुई है। लेखक-निर्माता-निर्देशक के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, वह बताती हैं कि यह बहुत समृद्ध, संतोषजनक था।

वह आगे कहती हैं- मेरे लिए, यह न केवल मेरा काम है, बल्कि मैं जिस तरह के लोगों के साथ काम करती हूं, वह भी महत्वपूर्ण है। जब आप पूर्वाभ्यास, अभ्यास या वर्कशॉप कर रहे होते हैं, तो आप उन लोगों के साथ लगभग छह से 12 घंटे या उससे भी अधिक समय बिता रहे होते हैं, इसलिए उनका आप पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, इस सीरीज की शूटिंग के दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा है। सिद्धार्थ एक ऐसे व्यक्ति हैं जो मुझे प्रेरित करते हैं और मैं इसके लिए उनकी बहुत आभारी हूं। एस्केप लाइव सोशल मीडिया पागलपन पर केंद्रित है और अभिनेत्री ने साझा किया कि उसने इसे करने के लिए सहमत होने से पहले दो बार नहीं सोचा था। वह कहती हैं- एस्केप लाइव सोशल मीडिया पागलपन पर केंद्रित है और अभिनेत्री ने साझा किया कि उसने इसे करने के लिए सहमत होने से पहले दो बार नहीं सोचा था। यह एक फुल पैकेज है, खासकर यह देखते हुए कि सिद्धार्थ ने इसे कैसे शूट किया है। इस सीरीज में हर भाव है – हानि, क्रोध, दर्द, आशा, हर्षित नृत्य और मधुर संगीत भी है, मैं संगीत के बाहर आने का इंतजार नहीं कर सकती क्योंकि मैं इसे रील बनाना चाहती हूं,।

अलीशा पंवार ने ब्लाइंड लव 3 की शूटिंग के अनुभव को किया साझा

एक्ट्रेस अलीशा पंवार इन दिनों हिमाचल प्रदेश में एक शॉर्ट फिल्म ब्लाइंड लव 3 की शूटिंग कर रही हैं। इसके बारे में बात करते हुए अलीशा कहती हैं, ब्लाइंड लव का सफर यादगार सफर रहा है। जब मैंने पहले सीजन के साथ शुरूआत की तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम तीसरे सीजन की शूटिंग करेंगे। वास्तव में किसी ने इसके बारे में नहीं सोचा था। लेकिन शुरू से ही मुझे इस शॉर्ट फिल्म की कहानी अच्छी लगी। मैंने अपने करियर में पहली बार ऐसा किरदार निभाया है।

सीरीज के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस कहती हैं कि तीसरे सीजन में हम देखेंगे कि नैना के साथ क्या होता है, क्योंकि वह रोहन के लिए रोहित को छोड़ देती है। रोहित के किरदार को लेकर फैन्स की ओर से कई कमेंट्स आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले तीन सीजन की शूटिंग हिमाचल प्रदेश में की गई है, जो मेरा होमटाउन है। अलीशा पंवार आगे कहती हैं, हिमाचल प्रदेश में शूटिंग करना एक शानदार अनुभव है। पहले सीजन में हमने शिमला में शूटिंग की और फिर दूसरे सीजन में हम शिलांग में थे और अब तीसरे सीजन के लिए हम चैल में हैं। हमारी सीरीज में ज्यादातर कलाकार इसी जगह से हैं।

शर्ट की बटन खोल ईशा गुप्ता ने बढ़ाई फैंस की धड़कने

स्टनिंग ईशा गुप्ता बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शुमार की जाती हैं, जो अपनी बोल्डनेस और सिजलिंग अंदाज से फैंस के दिलों को जीतना बखूबी जानती हैं. ईशा भले ही मूवी पर्दे पर अधिक सक्रीय नहीं हैं, लेकिन सोशल मीडिया वर्ल्ड में वो अपनी बोल्ड तस्वीरों से कहर ढाने लगी है.

ईशा गुप्ता ने अब एक बार फिर ब्रालेस लुक में अपनी सुपर सिजलिंग फोटोज साझा करके इंटरनेट का टेम्प्रेचर को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है. ईशा की नई फोटोज सोशल मीडिया पर सुर्ख़ियों में बनी हुई है. अभिनेत्री का किलर लुक फैंस को क्रेजी करने लगी है. ईशा नई फोटोज में फ्रंट ओपन ड्रेस में दिखाई दे रही है. दरअसल, एक्ट्रेस की ड्रेस के अपर पार्ट में शर्ट है और उसमें अटैच स्टाइलिश बॉटम. अभिनेत्री ने अपनी शर्ट ड्रेस के बटन को ओपन रखकर अपने लुक में बोल्डने का तड़का लगाना शुरू कर दिया है. अभिनेत्री इस ड्रेस में ब्रालेस दिखाई दे रही है. अभिनेत्री ने अपने लुक को न्यूड मेकअप और ओपन हेयर के साथ पूरा किया हुआ है. ईशा ने बोल्ड लुक में कई किलर पोज दिए हैं. कभी नजरें झुकाकर तो कभी कैमरे में देखकर फोटोज में ईशा का हर अंदाज दिलकश लग रहा है. अभिनेत्री की फोटोज को अब तक लाखों लोग लाइक कर चुके हैं. फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं. फैंस गॉर्जियस, ब्यूटीफुल, वाव यार लिखकर ईशा की तारीफ करते थक पा रहे है.

ईशा गुप्ता यूं तो हमेशा ही अपने सिजलिंग अंदाज से फैंस की धड़कनें तेज और भी तेज हो गई है. लेकिन अभिनेत्री नई फोटोज में बोल्डनेस और ग्लैमर का परफेक्ट कॉम्बिनेशन फैंस को बहुत पसंद किया जा रहा हैहै. एक्ट्रेस के लुक पर फैंस फिदा हो रहे हैं।

कई मेकअप और स्किन केयर प्रोडक्ट्स का विकल्प बन सकता है फेस ऑयल

फेस ऑयल के इस्तेमाल से चेहरे को भरपूर नमी के साथ ही कई तरह के पोषक तत्व मिल सकते हैं, जिसके कारण चेहरा स्वस्थ और चमकदार नजर आता है। हालांकि, फेस ऑयल का इस्तेमाल सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। आप चाहें तो इसका इस्तेमाल कई तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स और स्किन केयर प्रोडक्ट्स के विकल्प के तौर पर कर सकते हैं। आइए आज फेस ऑयल से जुड़े कुछ बेहतरीन हैक्स के बारे में जानते हैं।

बतौर क्यूटिकल ऑयल करें इस्तेमाल

नाखूनों को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए जितना जरूरी उनकी नियमित सफाई करना है, उतना ही महत्वपूर्ण उन पर क्यूटिकल ऑयल लगाना है। आप चाहें तो फेस ऑयल का इस्तेमाल बतौर क्यूटिकल ऑयल भी कर सकते हैं। बता दें कि क्यूटिकल ऑयल को नाखूनों से चिपकी हुई खाल पर लगाकर मालिश करनी होती है। इससे नाखून के आसपास की खाल नहीं निकलती और ये मजबूत भी बने रहते हैं।

प्राइमर की तरह लगाएं

प्राइमर एक जरूरी मेकअप प्रोडक्ट है, जिसका इस्तेमाल मेकअप बेस तैयार करने के लिए किया जाता है। अगर कभी आपका प्राइमर खत्म हो जाता है या फिर यह आपको पास नहीं है तो आप फेस ऑयल को प्राइमर के रूप में भी लगा सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि मेकअप बेस के लिए फेस ऑयल की कुछ ही बूंदें चेहरे पर लगानी हैं ताकि इसके कारण चेहरा तैलीय न लगे।

मेकअप करते समय इस तरह से लगाएं कॉम्पैक्ट पाउडर, मिलेगा परफेक्ट लुक

परफेक्ट मेकअप लुक पाने के लिए मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है, फिर चाहे प्रोडक्ट कॉम्पैक्ट पाउडर ही क्यूं न हो। कॉम्पैक्ट पाउडर का इस्तेमाल मेकअप को सेट करने के लिए किया जाता है और अगर आप गलत तरीके से इसका इस्तेमाल कर बैठते हैं तो इससे आपका मेकअप लुक खराब हो सकता है। चलिए फिर आज कॉम्पैक्ट पाउडर को परफेक्ट तरीके से लगाने के स्टेप्स जानते हैं।

सबसे पहले चेहरे की करें क्लींजिंग और मॉइश्चराइजिंग

क्लींजिंग और मॉइश्चराइजिंग, दोनों ही स्किन केयर रूटीन के साथ-साथ मेकअप के लिए जरूरी है, इसलिए मेकअप करने से पहले अपने चेहरे को एक अच्छे गुणवत्ता वाले फेस क्लींजर से साफ करें। इसके बाद अपने चेहरे को तौलिए से पोंछकर अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाएं।

अगर आपकी त्वचा रूखे प्रकार की है तो ऑयली बेस्ड वाली मॉइश्चराइजिंग क्रीम का इस्तेमाल करें, वहीं तैलीय त्वचा वाले लोग जेल बेस्ड मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाएं।

कंसीलर और फाउंडेशन से तैयार करें मेकअप बेस

क्लींजिंग और मॉइश्चराइजिंग के बाद बारी आती है मेकअप बेस तैयार करने की, तो इसके लिए पहले अपने चेहरे पर एक ऐसा कंसीलर लगाएं, जिससे आपको अच्छा कवरेज मिले। बता दें कि कंसीलर एक मेकअप प्रोडक्ट है, जिसका इस्तेमाल आंखों के काले घेरे, चेहरे के दाग-धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन जैसी खामियों को छिपाने में मदद करता है। कंसीलर के बाद अपनी स्किन टोन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करें और मेकअप स्पॉन्ज से इसे अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं।

इस तरह से कॉम्पैक्ट पाउडर का करें इस्तेमाल

सबसे पहले अपनी स्किन टोन वाले कॉम्पैक्ट पाउडर को एक फ्लफी मेकअप ब्रश पर लगाएं और अतिरिक्त पाउडर को झाड़ दें। इसके बाद इसे चेहरे के बीच से लगाकर शुरुआत करें और एक समान गति के साथ इसे पूरे चेहरे और गर्दन वाली जगह पर समान रूप से ब्लेंड करते हुए लगाएं।

खेल

गुजरात IPL डेब्यू में खिताब जीता

कप्तान हार्दिक बोले-मैं दिखाना चाहता था कि मैने किस चीज के लिए मेहनत की है, आज मेरा दिन था

अहमदाबाद। IPLके 15वें सीजन में पहली बार उतरी गुजरात टाइटंस ने फाइनल में राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। फाइनल खत्म होने के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या ने टूर्नामेंट से पहले उनकी फिटनेस और उनकी गेंदबाजी को लेकर सवाल उठाने वालों को जवाब दिया। उन्होंने कहा, मझे यह दिखाना था कि मैंने किस चीज के लिए मेहनत की और आज का दिन बॉलिंग के नजरिये से मेरा दिन था।

उन्होंने आगे कहा, मैंने अपने अच्छे प्रदर्शन को बचाकर रखा था। संजू को आउट करने के बाद मैंने जब दूसरी गेंद फेंकी तब मुझे अहसास हो गया कि आपको गेंदबाजी करते वक्त लाइन लेंथ ठीक रखनी होगी।

हार्दिक कहा कि बल्लेबाजी उनके दिल के बहुत ही करीब है। मेगा ऑक्शन के बाद ही यह साफ हो गया था कि उन्हें टॉप ऑर्डर में बैटिंग करनी होगी।

कोच नेहरा की तारीफ

पांड्या ने कहा, मैं और आशु पा (कोच आशीष नेहरा) सोच के मामले में एक जैसे हैं। हम दोनों को ऐसे गेंदबाज हैं, जो मैच को अपने दम पर जिता सके। बेशक टी-20 क्रिकेट बल्लेबाजों का खेल हो, लेकिन बॉलर्स ही आपको मैच जिताते हैं।

पंड्या ने कहा कि ट्रॉफी का क्रेडिट किसी एक को नहीं, बल्कि सभी को जाता है। कोच आशीष नेहरा, गैरी कर्स्टन से लेकर लॉजिस्टिक स्टाफ तक सभी का इसमें योगदान रहा है।

हार्दिक पांड्या का रहा शानदार प्रदर्शन

हार्दिक पांड्या ने IPL के 15वें सीजन के खेले 15 मैचों में 44.27 की औसत से 487 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 131.27 रहा। साथ ही उन्होंने गेंदबाजी से भी कमाल करते हुए 8 विकेट लिए। वहीं फाइनल में भी हार्दिक ने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल दिखाया। पहले उन्होंने गेंदबाजी में टीम के लिए 4 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों पर 113.33 की स्ट्राइक रेट से 34 रन बनाए।

आईपीएल में नया चैंपियन या 14 साल के बाद चैंपियन

अहमदाबाद । आईपीएल के रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले से टूर्नामेंट को नया चैंपियन मिलेगा या फिर राजस्थान 14 साल के लम्बे अंतराल के बाद दूसरी बार विजेता बनेगी।

लीग तालिका में गुजरात पहले और राजस्थान दूसरे स्थान पर रहा था। पहले चालीफायर में गुजरात ने तीन गेंद शेष रहते सात विकेट से जीत हासिल की थी। राजस्थान ने दूसरे चालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 11 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी जहाँ एक बार फिर उसके सामने गुजरात की चुनौती होगी।

अब देखना यह है कि राजस्थान पिछली हार का बदला निकाल पाता है या फिर लीग में शीर्ष पर रही गुजरात अपने पहले सत्र में राजस्थान की तरह खिताब ले उड़ेगी। आईपीएल 2018 से फाइनल में भिड़ने वाली टीमों के बीच एक विचित्र सिलसिला चला आ रहा है।

एक नजर

10 मीटर पिस्टल शूटिंग में शिवम ने जीता स्वर्ण

नयी दिल्ली । भारतीय शूटर शिवम ठाकुर ने नेपाल में आयोजित इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय काउंटी खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 10 मीटर पिस्टल शूटिंग के एकल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया है। ठाकुर ने यहां जारी एक संदेश में कहा, मैं 20 मई 2022 से 28 मई 2022 तक इंडो नेपाल अंतरराष्ट्रीय काउंटी खेलों के लिये नेपाल में था। मैं वहां भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था और मैंने एकल प्रतियोगिता (10 मीटर पिस्टल शूटिंग) में स्वर्ण पदक जीता है। ठाकुर ने बताया कि उन्होंने टीम प्रतियोगिता में भी रजत पदक हासिल किया है। इंडो-नेपाल काउंटी खेलों का आयोजन नेपाल खेल समिति ने नेपाल खेल परिषद और नेपाल ओलंपिक समिति के सहयोग से किया था।

पैरा कैनो एथलीट प्राची यादव ने पैराकैनो वर्ल्ड कप में ब्रोन्ज मेडल जीत रचा इतिहास

नई दिल्ली । पैरा कैनो एथलीट प्राची यादव ने पोलैंड के पोंजनान में चल रहे पैराकैनो वर्ल्ड कप के महिला वीएल2 200 मीटर में ब्रोन्ज मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। प्राची ने 1.04.71 सेकेंड के समय से ब्रोन्ज मेडल जीता। वह कनाडा की सिल्वर मेडलिस्ट ब्रियाना हेनेसी (1.01.58) और गोल्ड मेडलिस्ट ऑस्ट्रेलिया की सुजान सेपेल (1ः01.54) से पीछे रहीं।यह भारत का 26 मई से शुरू होकर रविवार को खत्म होने वाली प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

वहीं मनीष कौरव (केएल पुरुष 200 मीटर) और मंजीत सिंह (वीएल2 पुरुष 200 मीटर) ने अपनी स्पर्धाओं के फाइनल्स में प्रवेश किया है, जो टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार हुआ है। जयदीप ने वीएल3 पुरुष 200 मीटर इवेंट के सेमीफाइनल के लिए चालीफाई किया था, लेकिन वह इसके आगे नहीं बढ़ सके।

अमेरिकी ओपन चैम्पियन मेदवेदेव और पूर्व फ्रेंच ओपन चैम्पियन स्वियातेक अगले दौर में

नई दिल्ली । मौजूदा अमेरिकी ओपन चैम्पियन और दूसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के मेंस सिंगल वर्ग में जबकि टॉप सीड और पूर्व रोलां गैरां चैम्पियन इगा स्वियातेक ने महिला वर्ग के चौथे दौर में प्रवेश किया। वहीं, पाउला बडोसा और आर्यना सबालेंका उलटफेर का शिकार हुईं। रूस के खिलाड़ी मेदवेदेव ने लगातार दूसरे साल यहां चौथे दौर में जगह बनाई। उन्होंने मिमोर केसमानोविच (28वीं रैंकिंग) पर 6-2, 6-4, 6-2 से जीत दर्ज की। अब वह चार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए 2014 अमेरिकी ओपन चैम्पियन मारिन सिलिच और फ्रांस के वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले जाइल्स सिमोन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। नंबर एक खिलाड़ी स्वियातेक ने अपने लगातार 31वें मैच में जीत दर्ज करते हुए चौथी बार रोलां गैरां के चौथे दौर में जगह बनाई।

चैंपियन गुजरात को मिले 20 करोड़, राजस्थान भी मालामाल

अहमदाबाद। IPL के 15वें सीजन का चैंपियन मिल गया है। पहली बार IPL खेल रही गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर खिताब जीत लिया। इस जीत के बाद गुजरात पर BCCI की ओर से अच्छी खासी धनवर्षा भी हुई और उसे ट्रॉफी के साथ 20 करोड़ रुपए की प्राइज मनी मिली। रनरअप राजस्थान को भी 12.5 करोड़ रुपए मिले। तीसरे स्थान पर रही बेंगलुरु को 7 करोड़ और चौथे नंबर पर रही लखनऊ को 6.5 करोड़ रुपए कैश प्राइज मिला। टीमों के अलावा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की भी काफी कमाई हुई। सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले राजस्थान के युजवेंद्र चहल को पर्पल कैप के साथ 10 लाख रुपए मिले। चहल ने सीजन में सबसे ज्यादा 27 विकेट झटके। बोल्ट का कैच पकड़कर जश्न की तैयारी में थे मिलर, तभी पता चला कि बाउंड्री पार कर गए हैं

वहीं, सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले राजस्थान के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर को ऑरेंज कैप के साथ 10 लाख रुपए मिले। बटलर ने 17 मैचों में 863 रन बनाए।

सुपरनोवास ने तीसरी बार जीता महिला टी 20 चैलेंज खिताब

पुणे । डिएंड्रा डॉटिन (62) के शानदार अर्धशतक से सुपरनोवास ने वेलोसिटी को रोमांचक फाइनल में चार रन से हराकर तीसरी बार महिला टी 20 चैलेंज का खिताब जीत लिया। सुपरनोवास ने फाइनल में 20 ओवर में सात विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और वेलोसिटी की चुनौती को 20 ओवर में आठ विकेट पर 161 रन पर थाम लिया। सुपरनोवास ने इससे पहले 2018 और 2019 में यह खिताब जीता था।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए सुपरनोवास ने 73 रन की अच्छी शुरुआत की लेकिन टीम फिर बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच पायी। प्रिया पुनिया ने 29 गेंदों में दो छक्कों के सहारे 28 रन बनाये। डिएंड्रा डॉटिन 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर दीप्ति शर्मा का शिकार बनीं। दीप्ति ने उन्हें बोल्ड किया। डिएंड्रा डॉटिन ने 44 गेंदों पर 62 रन में एक चौका और चार छक्के लगाए।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 29 गेंदों पर 43 रन में एक चौका और तीन छक्के लगाए। उनके बाद कोई भी बल्लेबाज दहाई की संख्या में नहीं पहुंच सकी। सुपरनोवास की पारी में चौथा सर्वाधिक स्कोर नौ अतिरिक्त रनों का रहा।

उत्तम मेमोरियल कॉलेज में कर भुगतान का महत्व और कर प्रणाली का सरलीकरण विषय पर कार्यशाला संपन्न

जोहार छत्तीसगढ़– रायगढ़।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयकर विभाग रायगढ़ द्वारा उत्तम मेमोरियल कॉलेज पटेलपाली में ष्कर भुगतान का महत्व और कर प्रणाली का सरलीकरण विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं, शिक्षक शिक्षिकाओं संबोधित करते हुए आयकर अधिकारी सुजीत विश्वास और जितेंद्र सिंह ने आयकर की आवश्यकता महत्वता एवं अवधारणा को समझाते हुए राष्ट्र निर्माण में आयकर के योगदान पर चर्चा की उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन हमारे जीवन का स्वर्णिम काल होता है जिसमें हम अपने भविष्य के निर्माण की नींव रखते हैं। आयकर अधिकारियों ने कहा कि जिस तरह आप अपने जीवन में जब अर्थ उपार्जन करने लगते हैं तो आप अपने माता-पिता के सपनों को एक आदर्श व्यक्ति बनकर पूरा करते हैं। ठीक उसी तरह आपको अपने राष्ट्र के निर्माण में भी उचित रूप से अपना कर दायित्व चुका कर राष्ट्र के नवनिर्माण में योगदान देना चाहिए। देश की आर्थिक व्यवस्था कर संकलन पर ही आधारित होती है। यदि हम अपने कर का सही-सही भुगतान नहीं करेंगे तो देश को हमारी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए भी ऋण लेना पड़ेगा और फिर जब यह ऋण बहुत अधिक हो जाता है तो फिर हालात पड़ोसी देश श्रीलंका की तरह बन जाते हैं। इसलिए हमें अपने आय के साधनों को बढ़ाना चाहिए और अधिक से अधिक

और नियमानुसार अपने कर दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए तभी हम विश्व में अग्रणी देश बन सकते हैं। तत्पश्चात आयकर निरीक्षक देव नारायण नायक एवं वरिष्ठ सहायक संजीव पांडे ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्रों को आयकर की संक्षिप्त जानकारी दी। वहीं छात्र छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर भी अधिकारियों द्वारा दिए गए। कार्यक्रम के अंत में आयकर अधिकारी वार्ड 1 सुजीत विश्वास ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप भी आदर्श नागरिक होने के साथ-साथ आयकर दाता बनकर एक समृद्ध राष्ट्र के निर्माता बने। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य गौतमी सिंह ने कार्यक्रम को छात्र छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि जन जागरूकता कार्यक्रम सदैव होने चाहिए जिससे आयकर जैसे जटिल विषय पर लोगों की भ्रांतियां दूर होती हैं और सही जानकारी प्राप्त होती है उन्होंने आयकर विभाग रायगढ़ का आभार व्यक्त किया। उत्तम मेमोरियल कॉलेज के चेयरमैन गौतम चौधरी के द्वारा आगंतुक अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि ऐसे 2-3 कार्यक्रम प्रतिवर्ष हमारे कॉलेज में होने चाहिए ताकि छात्र-छात्राओं को इस विषय पर जानकारी प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में इनकम टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल तथा सचिव हीरा मोटवानी कार्यालय अधीक्षक जयंत भोई, सहायक कमलनयन, एवं कंप्यूटर ऑपरेटर सतीश साव उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन आयकर निरीक्षक देव नारायण नायक द्वारा किया गया।

ग्राम तोरेंगा में तीन हाथियों ने फिर मचाया उत्पात, मिसाई कर रखे 50 बोरी धान खा गए

गरियाबंद । पांडुका परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तोरेंगा में रविवार के रात एक बजे तीन हाथियों ने फिर उत्पात मचाया और किसान के द्वारा मिसाई कर बॉडी में रखे हुए 50 बोरी धान को खा गए साथ ही धान को100 मीटर तक इधर उधर बिखेर दिए।आपको बता दे कि ग्राम तोरेंगा निवासी बहुर राम जिसका मकान गाँव के अंतिम में था , जो अपने एक एकड़ के धान को रविवार को अपने बॉडी में अपने धान को मिसाई कर सोमवार को बाजार में बेचने के लिए रखा था ,जिसे रात में एक बजे तीन दंतैल हाथी बॉडी में आए और धान को खा गए वही बचे हुए थोड़े बहुत धान को सौ मीटर तक बिखेर भी दिए ।जबकि उन हाथियो के आसपास गजवाहन और वन विभाग के कर्मचारी मौजूद थे लेकिन कुछ नही कर पाए ।उत्पात मचाने के बाद ये तीनो हाथी पचपेड़ी की ओर निकले है जिसके चलते वन विभाग द्वारा ग्राम तैरेगा सांकरा कुम्हारमरा दिवाना विजयनगर टोईयामुडा पंचपेड़ी में एलर्ट जारी कर लोगो को सतर्क रहने की अपील किये।

डीलिस्टींग को लेकर लैलूंगा में जनजाति समाज का हुआ विशाल जन आंदोलन

हम मर जायेंगे लेकिन डीलिस्टिंग कराके रहेंगे – गणेशराम भगत

जोहार छत्तीसगढ़– लैलूंगा।

रायगढ़ जिले के विकास खण्ड लैलूंगा की नगरी में 30 मई 2022 को लैलूंगा की पावन धरा पर जनजाति समाज को उनकी हक और अधिकार दिलाने हेतु जनजाति सुरक्षा मंच ने धर्मान्तरित जनजाति व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर किया जाये एवं संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट 10 जुलाई 1967 की सिफारिश को लागू कर अनुच्छेद 342 से संशोधन करके धर्मान्तरित जनताति का आरक्षण समाप्त किया जाये । इस आशय से संपूर्ण भारत देश में जन जागरण करते हुवे प्रत्येक जिले में आदिवासी सम्मेलन एवं महारैली का आयोजन किया गया है । जिसमें सभी जनजाति सगा समाज के बन्धु भाई बहिनों ने बड़ी संख्या में एक जुट होकर अपने हक और अधिकार की लड़ाई हेतु आवाज बुलन्द करने आमंत्रित किया गया था । जिले के सभी जनजातियों एवं विभिन्न आदिवासी समाज के नौ जवान साथी, पण्डा / पढ़ेहार, पुजारी, व्यापारी, कर्मचारी, सामाजिक, राजनैतिक वर्ग के साथ मातृ शक्ति एवं विद्यार्थी, सार्वजनिक एवं संगठित रूप से उपस्थिति होकर महारैली कार्यक्रम को सफल बनाये । सभी समाज के सगा जन एवं युवा साथी अपने पारम्परिक वेश भूषा एवं नृत्य मण्डलियों के साथ हजीरों की संख्या में आदिवासियों ने लैलूंगा नगर में महारैली निकाल कर नगर भ्रमण करने के पश्चात शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय लैलूंगा के सामने एकत्रित होकर विशाल जन सभा का आयोजन किया गया था । जहाँ छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के लैलूंगा, तमनार,धरमजयगढ़, छाल, खरसिया एवं जशपुर जिले के कांसाबेल, पत्थलगाँव, कोतबा, आदि के स्थानों से कई हजारों की संख्या में विभिन्न आदिवासी समाज के लोगों ने हिस्सा लिये । युवा नेता रवि भगत ने ईसाईयों को खुले मंच से ललकारा है! दहाड़ते लगाते हुए डीलिस्टिंग करने की बात कही है । वहीं आपको बता दें की जनजाति सुरक्षा मंच के संरक्षक एवं पूर्व मंत्री कद्दावर आदिवासी नेता गणेश राम भगत एवं लैलूंगा विधान सभा के पूर्व विधायक व मंत्री तथा संसदीय सचिव सुनिती सत्यानन्द राठिया, रायगढ़ राज घराने से जिला पंचायत सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह, पनतराम भगत, श्रीकांत सोमावार, कृपा शंकर भगत, रायमुनी भगत, युवा नेता रोशन प्रताप साय, राधेश्याम राठिया, हरिशचन्द्र राठिया, लोकेश्वरी सिदार, नीनव राठिया, रजनी राठिया, शाता साय, रामनाथ बैगा, अरूण राय, जागेश सिंह सिदार, जिला संयोजक बसंत राठिया, कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुरेन्द्र बेसरा, उमाशंकर भगत, संपत लाल भगत, रवि भगत, दुखसिंह भगत, अशोक भगत, माद्री राम सिदार, ललित पैंकरा, संतोष राठिया, शिवपाल भगत, श्रीमती शकुन्तला भगत, रीना पालू भगत, आदि लोगों ने उपरोक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका रही । वहीं मंच का सफल संचालन दीपक सिदार के द्वारा किया गया ।

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत जिले के 18 बच्चों को मिली सहायता

शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए मिलेंगे 10 लाख रुपये

जोहार छत्तीसगढ़– रायगढ़।

आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपए की राशि ऐसे बच्चों जिन्होंने कोविड में अपने माता-पिता को खो दिया उन्हें प्रदान किया जा रहा है। रायगढ़ जिले से 18 ऐसे बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत राशि प्रदान की गई। आज के वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन के अन्य दस्तावेजों का भी वितरण किया गया। इसमें हितग्राही बच्चों का पास बुक, स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री का बच्चों के नाम पत्र और प्रमाण-पत्र इत्यादि शामिल है।

बता दें कि जिले में उपस्थित सांसद गोमती साय, महापौर जानकी काटजू और कलेक्टर भीम सिंह द्वारा उक्त दस्तावेज जिले के ऐसे 18 हितग्राही बच्चों को वितरित किया गया, जिन्हें इस योजना के तहत लाभान्वित किया जा रहा है।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना जैसे विपदा में जिन बच्चों ने अपने माता और पिता या फिर अपने अभिभावक को खोया है, उनके लिए चुनौतियों/मुश्किलों को कम करने का प्रयास है। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन इसके लिए 18 साल या उससे कम उम्र के बच्चों को योजना से 10 लाख रुपये की सहायता मिल रही है। जिसके तहत उम्र के अनुसार बच्चों के खातों में योजना की राशि डाली गई है। बच्चे इस सहायता राशि को 23 साल की उम्र पहुंचने पर निकाल पाएंगे। इसके अलावा व्यक्तिगत जरूरतों के लिए 18 साल की उम्र पूरी करने पर बच्चों को मासिक वित्तीय सहायता भी मिलेगी। 23 साल तक की उम्र तक इन बच्चों का आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रूपए तक का स्वास्थ्य बीमा का लाभ भी मिलेगा। आज स्वास्थ्य बीमा का कार्ड भी वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान हितग्राही बच्चों को दिया गया। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत कक्षा पहली से बारहवीं तक छात्रवृत्ति के तौर पर 20 हजार रुपए इन बच्चों को दिया जाएगा। साथ ही कक्षा दसवीं के बाद यदि हितग्राही कौशल प्रशिक्षण या तकनीकी शिक्षा लेना चाहता है तो उसके लिए छात्रवृत्ति की सुविधा और निःशुल्क स्कूली शिक्षा के साथ ही उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण की सहायता और शिक्षा ऋण के ब्याज का भुगतान पीएम केयर्स द्वारा किया जाएगा। रायगढ़ के एनआईसी कक्ष में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास टी.के.जाटवर, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रेडक्रॉस से भी दी गई है एक-एक लाख रुपये की सहायता

कलेक्टर भीम सिंह के निर्देश पर इन बच्चों को देखभाल एवं पढ़ाई-लिखाई में सहायता के लिए एक-एक लाख रुपये की रेडक्रॉस के माध्यम से दी गई है। यह राशि बच्चों के खाते में अंतरित की जा चुकी है।

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के बड़े भाई एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भूपत साहू का निधन

दुग । प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के बड़े भाई एवं जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भूपत साहू का 80 वर्ष की उम्र में सोमवार को निधन हो गया। साहू कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे । उनका अंतिम संस्कार गृहगांव बासिंन (गुरुर) बालोद जिला में किया जाएगा। स्वर्गीय साहू बालोद जिला के मंडी अध्यक्ष सहित कांग्रेस कमेटी के विभिन्न पदों पर रहे हैं और बालोद जिला के प्रभावी राजनीतिज्ञों में उनकी गणना होती थी। साहू अविभाजित मध्यप्रदेश के मंत्री रहे झुमुक लाल भेडिया के कट्टर समर्थकों में गिने जाते थे। साहू के निधन से दुर्ग तथा बालोद जिले के कांग्रेश जनों में शोक की लहर है।

शासकीय योजनाओं का हो प्रभावी क्रियान्वयन-सांसद साय

* सांसद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न

जोहार छत्तीसगढ़– रायगढ़।

सांसद गोमती साय की अध्यक्षता में आज जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सांसद गोमती साय ने कहा कि शासकीय योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि सभी प्रशासनिक विभाग अपने योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित मॉनिटरिंग करें। जहां समस्यायें आ रही है उसे उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाते हुए तत्काल समाधान के लिए कार्य करें। जिससे योजनाओं के लक्ष्य पूर्ति के साथ उसका अपेक्षित लाभ लोगों को मिले।

सांसद साय ने बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की प्रगति तथा पिछले वर्ष की तुलना में वर्तमान लक्ष्य की प्राप्ति की जानकारी ली। स्वच्छ भारत अभियान, एनआरएलएम राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना अंतर्गत अब तक की प्रगति की जानकारी ली। सांसद साय ने कहा कि घर-घर तक स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के उद्देश्य से जल जीवन मिशन संचालित किया जा रहा है। अत: विभागीय अधिकारी प्रत्येक घरों तक नलों के माध्यम से स्वच्छ जलापूर्ति के इस कार्य में गुणवत्ता व समय-सीमा का पूरा ध्यान रखें। उन्होंने पंचायतों में लग रहे नल कनेक्शन से घरों तक पानी सप्लाई के लिए एक निश्चित व्यवस्था बनाने तथा पंप ऑपरेट करने की ट्रेनिंग देने के लिए कहा। जिससे घरों में नियमित रूप से पानी पहुंचे। बैठक में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत फलों की खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों के उपज के विक्रय हेतु मार्केट लिंकेज के लिए भी कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों की आवश्यकता के अनुसार बीजों का भण्डारण करने के लिए कहा। साथ ही किसानों को फसल बीमा के बारे में भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (गैस कनेक्शन), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के कार्यों की प्रगति की भी विस्तृत जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर भीम सिंह ने बताया कि खनिज न्यास निधि से मुख्यत: स्वास्थ्य, शिक्षा व सुपोषण के लिए कार्य किया जा रहा है। जिले में पिछले दो साल में कुपोषण दर में 15 प्रतिशत की कमी आयी है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी व्यापक स्तर पर कार्य हो रहा है। सभी सीएचसी को अपग्रेड किया जा रहा है। लोगों को अस्पतालों तक आने-जाने के लिए अभी चौबीस गाड़ियां खरीदी गयी है। धरमजयगढ़ के दुर्गम इलाकों में मरीजों के परिवहन के लिए 3 बाईक एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में हमर लैब, ब्लड बैंक व एनआरसी संचालन की व्यवस्था की गयी है। आंगनबाड़ियों में कुपोषित बच्चों तथा गर्भवती माताओं को पोषण आहार तथा गरम भोजन प्रदान किया जा रहा है तथा उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है। बच्चों को रागी के लड्डू भी वितरित किए जा रहे है। सीईओ जिला पंचायत डॉ.रवि मित्तल ने बताया कि मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध कराने में रायगढ़ जिला प्रदेश में अव्वल है। जिले में वर्ष 2021-22 के लक्ष्य 35.53 लाख के विरूद्ध 80.57 लाख मानव दिवस सृजित किए गए। जो कि लक्ष्य का 226 प्रतिशत है। इसके साथ ही ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में व्यापक कार्य किये जा रहे है। महिला समूहों को विविध प्रकार के आय मूलक गतिविधियों से जोड़ा गया है।

एक नजर

प्रशिक्षण एवं विशेष पेंशन शिविर का आयोजन 06 और 07 जून को

जगदलपुर। बस्तर जिले के अंतर्गत लंबित पेंशन प्रकरण एवं पेंशन प्रकरण तैयार करते समय आभार सॉफ्टवेयर में आ रही कठिनाईयों के निराकरण हेतु संभागीय संयुक्त, कोष, लेखा एवं पेंशन बस्तर संभाग द्वारा 06 और 07 जून को प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं विशेष पेंशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

विकासखंड बास्तानार, बकावण्ड, लोहण्डीगुडा, दरभा, तोकापाल एवं बस्तर के अधीनस्थ डीडीओ हेतु प्रशिक्षण 06 जून 2022 को प्रात:11 बजे एवं पेंशन शिविर दोपहर 2.00 बजे से और विकासखण्ड जगदलपुर के अधीनस्थ डीडीओ हेतु पेंशन शिविर 07 जून सुबह 10 बजे से एवं दोपहर 3 बजे से प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कलेक्टोरेट कार्यालय के प्रेरणा हॉल में किया गया है।

एकलव्य आर्दश विद्यालय में 06 जून को होगा शिक्षक नियुक्ति हेतु वॉक इन इन्टरव्यू

कोण्डागांव। कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास शाखा) द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गोलावण्ड, बेड़मा, चिचाड़ी, शामपुर एवं कोरगांव के प्राचार्यों द्वारा तत्कालिक रूप से शिक्षक व्यवस्था के तहत् विभाग द्वारा स्नातकोत्तर एवं स्नातक शिक्षक हेतु वॉक इन इन्टरव्यू 06 जून 2022 को आयोजित किया गया है। इन शिक्षकों हेतु प्रति कालखण्ड (टी.जी.टी) स्नातक शिक्षक हेतु रूपये 300, (पी.जी.टी) स्नातकोत्तर शिक्षक हेतु रूपये 350, संगीत शिक्षक हेतु 250 एवं खेलकूद प्रशिक्षक (व्यायाम शिक्षक) हेतु 250 मानदेय तय किया गया है। इस अनुसार संयुक्त एकलव्य आवासीय विद्यालय गोलावण्ड हेतु (पी.जी.टी) स्नातकोत्तर शिक्षक हेतु (हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, रसायन, भौतिक, जीव विज्ञान 06 पद), (टी.जी.टी) स्नातक शिक्षक हेतु (हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सा0विज्ञान, संगीत, व्यायाम शिक्षक, कम्प्यूटर अनुदेश, स्टॉफ नर्स, प्रयोग शाला परिचारक, विद्युत सहायक, माली के 12 पद)। इसी प्रकार आवासीय विद्यालय बेड़मा में (16 पद), चिचाड़ी में (16 पद), शामपुर में (16 पद) तथा आदर्श विद्यालय कोरगांव में (16 पद) जारी किये गये है। इस संबंध में इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन के प्रारूप एवं अर्हता संबंधी जानकारी के लिए जिले की वेबसाईट www-kondagaon-gov.in पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

लंबित पेंशन प्रकरण के निराकरण हेतु 31 मई को आयोजित होगा विशेष पेंशन एवं प्रशिक्षण शिविर

कोण्डागांव। कार्यालय कोषालय अधिकारी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार सचिव वित विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार सेवानिवृत्त कर्मचारियों के नियमित एवं आपत्तिशुदा पेंशन प्रकरणों को आनलाईन तैयार कर प्रेषित किये जाने मे किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई उत्पन्न न हो एवं प्रेषित प्रकरणों का निराकरण समयावधि से किया जा सके। इस हेतु लंबित पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण हेतु कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन बस्तर संभाग जगदलपुर द्वारा जिला कोण्डागांव में 31 मई 2022 को पेंशन प्रशिक्षण एवं विशेष पेंशन शिविर का आयोजन होगा। जिसके तहत् केशकाल (उप कोषालय) में 31 मई (प्रात: 11.00 से 1.00 बजे) स्थान सभाकक्ष सरस्वती शिशु मंदिर तथा कोण्डागांव में भी 31 मई (दोपहर 3.00 से 5.00 बजे) स्थान कलेक्टर सभागार में शिविर का आयोजन किये जायेंगे। इस संबंध में समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं शिविर में उपस्थित होने के निर्देश दिये गये हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणाओं पर अमल के लिए पहल

नानगुर, किलेपाल, नदीसागर और बजावंड में सहकारी बैंक की शाखाएँ खोलने के लिए सहकारी संस्थाएं के पंजीयक को भेजा गया प्रस्ताव

जगदलपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बस्तर प्रवास के दौरान की गई घोषणाओं पर तेजी से अमल के लिए पहल शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में बस्तर जिले के नानगुर, किलेपाल, नदीसागर और बजावंड में सहकारी बैंक की शाखाएं खोलने के लिए जिले के कलेक्टर एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक जगदलपुर के प्राधिकृत अधिकारी श्री रजत बंसल द्वारा पंजीयक सहकारी संस्थायें को भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि भेंट मुलाकात कार्यक्रम में बस्तर जिले में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के प्रवास के दौरान किसानों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी मांगे रखी । किसानों ने किसान ऋण, राजीव गांधी गोधन न्याय योजना सहित विभिन्न योजनाओं के तहत प्राप्त राशि को प्राप्त करने के लिए बैंकों की अधिक दूरी की समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की मांगों को तत्काल पूरी करते हुए बस्तर जिले में 04 नवीन शाखायें नानगूर, किलेपाल (बास्तानार), नदीसागर एवं बजावण्ड खोले जाने की घोषणा की गई थी ।

दृष्टिबाधित छात्रा व उसके भाई को मिली मुख्यमंत्री से डेढ़ लाख की मदद

जगदलपुर । जिले के बकावंड में 26 मई को आयोजित भेंट मुलाकात के दौरान सवरा गांव की दृष्टि बाधित छात्रा भानुप्रिया आचार्य और उनके भाई खलेन्द्र के लिए डेढ़ लाख रुपए की सहायता राशि की स्वीकृति की घोषणा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की थी, इस पर त्वरित अमल करते हुए बस्तर कलेक्टर रजत बंसल ने इन बच्चों के घर पहुंचकर उन्हें डेढ़ लाख रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। भेंट-मुलाकात के दौरान दृष्टिबाधित छात्रा भानुप्रिया आचार्य ने मुख्यमंत्री से कहा था कि मैं पढ़ना चाहती हूं। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने की वजह से दिक्कत है, उसके दृष्टिबाधित भाई खलेन्द्र ने भी संगीत सीखने की इच्छा जाहिर की थी। दोनों के लिए भानुप्रिया ने स्मार्ट फोन और टेप रिकार्डर की मांग की, जिस पर मुख्यमंत्री ने अपने उदारता का परिचय देते हुए डेढ़ लाख रुपए की सहायता राशि की स्वीकृति की घोषणा की थी।

आगामी बरसात को लेकर तोरेंगा जलाशय में एनडीआरएफ टीम ने किया गया मॉक ड्रिल

गरियाबंद । 15 जून से मानसून की शुरुवात हो जाती है ,वही गरियाबंद जिला चारो ओर से नदी नाले से घिरा हुआ है ,और बरसात के दिनों में इन नदी नालों में पानी को उफन तेज हो जाती है ,इसके साथ ही नदी नालों के किनारे सैकड़ो की संख्या में ग्राम मौजूद है ,और पानी ज्यादा हो जाने से उन ग्रामो के निवासियो को अंयत्र व्यवस्थित करना पड़ता है। जिसमे नदी नालो का सामना करने के लिए पुलिस विभाग की टीम तैनात रहती है ।इसे ध्यान में रखते हुए पांडुका थाना अंतर्गत पडने वाला तोरेंगा जलाशय में सोमवार को पुलिस विभाग के एनडीआरएफऔर नगर सैनिकों की टीम द्वारा मॉक ड्रिल कर आपदा प्रबंधन के तहत डूबने वाले व्यक्तियो को रेस्क्यू कर कैसे बचाया जाए इसका पूर्वाभ्यास कमांडर के मार्गदर्शन में किया गया।

हसदेव में पेड़ों की कटाई का विरोध, किसान सभा के कार्यकर्ता भी पहुंचे ग्रामीणों के समर्थन में

जोहार छत्तीसगढ़-रायपुर।

छत्तीसगढ़ किसान सभा ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के संरक्षण में हसदेव अरण्य क्षेत्र में पेड़ों की कटाई किये जाने की निंदा की है और कहा है कि इससे कांग्रेस-भाजपा दोनों की कॉर्पोरेट परस्ती और अडानी भक्ति उजागर हो गई है। किसान सभा ने पुलिस का सहारा लेकर हसदेव अरण्य क्षेत्र के स्थानीय नागरिकों और आंदोलनकारियों में दहशत और भय पैदा करने की भी तीखी निंदा की है। किसान सभा ने सभी मुद्दों और विवादों के निपटारे तक इस क्षेत्र में पूरी खनन प्रक्रिया को भी रोकने की मांग की है। आज यहां जारी एक बयान में छग किसान सभा के अध्यक्ष संजय परते व महासचिव ऋषि गुप्ता ने बताया कि सुनियोजित तरीके से भारी पुलिस बल की उपस्थिति में आज सुबह से ही फिर से पेड़ों की अवैध रूप से कटाई शुरू हो गई थी, जिसका वहां के स्थानीय ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। इस कटाई की खबर फैलते ही छत्तीसगढ़ किसान सभा के कार्यकर्ता भी ग्रामीणों के समर्थन में वहां पहुंच गए। इस भारी विरोध के मद्देनजर प्रशासन को फि लहाल कटाई रोकने पर मजबूर होना पड़ा है। कोरबा से किसान सभा के नेता जवाहर सिंह कंवर, प्रशांत झा, दीपक साहू, जय कौशिक, दामोदर श्याम और जनवादी नौजवान सभा के नेता के नेतृत्व में पहुंचे जत्थे ने आंदोलन स्थल पर हसदेव के ग्रामीणों के आंदोलन का समर्थन किया तथा उनके साथ एकजुटता व्यक्त करते हुये कोरबा के गांव-गांव में अभियान चलाने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ किसान सभा ने 5 जून को हसदेव और सिलगेर के आंदोलन के साथ पूरे प्रदेश में एकजुटता कार्यवाही करने का फैसला लिया है। अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव हन्नान मोल्ला तथा संयुक्त सचिव बादल सरोज ने भी सरकार की इस अडानी भक्ति की तीखी निंदा की है तथा हसदेव अरण्य क्षेत्र में पर्यावरण व जैव-विविधता को बर्बाद कर और आदिवासियों को उजाड़कर कोयला खनन की स्वीकृति देने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों और कानूनों को कुचलकर और ग्राम सभा के नाम पर फर्जीवाड़ा करके खनन किया जाएगा, तो इसके खिलाफ प्रतिरोध आंदोलन भी खड़ा किया जाएगा। किसान सभा नेताओं ने कहा कि कोयला जैसे प्राकृतिक संपदा की लूट के लिए कोयले की कमी और बिजली संकट खड़ा किया जा रहा है। सरकार के इन मंसूबों के खिलाफ रायपुर में प्रदेश के सभी संवेदनशील नागरिकों और संगठनों का साझा सम्मेलन आयोजित करने की भी उन्होंने घोषणा की है।

एक नजर

राजीव गांधी किसान न्याय योजना

धान के बदले अन्य फसलों के लिए ऋणमान निर्धारित, केसीसी के माध्यम से किया जा रहा वितरण

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत धान के बदले अन्य फसल को बढ़ावा देने हेतु दलहन/तिलहन फसलों का ऋणमान का निर्धारण कर केसीसी के माध्यम से वितरण किया जा रहा है। मूंगफली का 43 हजार 200, रामतिल का 25 हजार, तिल का 22 हजार 500 रुपये, अरहर का 36 हजार, मूंग का 24 हजार, उड़द का 25 हजार, झुनगा 20 हजार 350 प्रति हेक्ट ऋणमान प्रस्तावित किया गया है। इस प्रकार दलहन में 35 प्रतिशत तथा तिलहन में 50 प्रतिशत औसत ऋणमान में गत वर्ष की तुलना में बढ़ोत्तरी की गयी है। किसान अपने संबंधित सहकारी समिति से बीज, वर्मी कम्पोस्ट खाद, रासायनिक खाद का उठाव करके इस योजना का लाभ ले सकते है। इस प्रकार धान के बदले अन्य लाभकारी दलहन, तिलहन फसल चक्र अपनाने से मिट्टी गुणवत्ता के साथ उपज में भी वृद्धि होगी एवं उक्त योजना के तहत धान के बदले दलहन/तिलहन फसल लगाने पर प्रति एकड़ 10 हजार रुपये आदान सहायता राशि अतिरिक्त रूप से प्राप्त होगी। किसानों से अनुरोध किया जाता है कि शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त करें।

बाढ़ आपदा राहत के लिए जिला एवं तहसील में बने कंट्रोल रूम

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

मानसून 2022 को दृष्टिगत रखते हुए 1 जून 2022 से जिला कार्यालय के कक्ष क्रमांक 19 में बाढ़ आपदा राहत कंट्रोल रूम की स्थापना की गयी है। कंट्रोल रूम का नंबर 07762-223750 है। जिला कार्यालय के कंट्रोल रूम में तैनात नगर सैनिकों का मोबाइल नंबर 8305323125/ 9407753034/ 7879608262/ 6264202736 है। बाढ़ आपदा राहत शाखा के प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर रोहित कुमार सिंह, मोबाइल नंबर 94060-35155, ईमेल आईडी itsrohitsingh05@gmail.com है, जिन्हें बाढ़ आपदा से संबंधित कार्य के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार तहसील मुख्यालयों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए है। रायगढ़ तहसील का कंट्रोल रूम नंबर 07762-222133 है जिसमें नायब तहसीलदार सुश्री श्रुति शर्मा मोबा.8085255899 को प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह तहसील पुसौर का कंट्रोल रूम नंबर 07762-262862 है जिसमें नायब तहसीलदार सुशीला साहू मोबा.88893-84102, तहसील बरमकेला का कंट्रोल रूम नंबर 07768-265041 है जिसमें तहसीलदार अनुज कुमार पटेल मोबा.94241-87600, तहसील सारंगढ़ का कंट्रोल रूम नंबर 07768-233708 है जिसमें नायब तहसीलदार बंदे राम भगत मोबा.94064-76109, तहसील सरिया में तहसीलदार शनिकुमार पैंकरा मोबा.98274-64329, तहसील खरसिया का कंट्रोल रूम नंबर 07762-272757 है जिसमें नायब तहसीलदार पुष्पेन्द्र कुमार राज मोबा.82699-67979, तहसील घरघोड़ा का कंट्रोल रूम नंबर 07767-284861 है जिसमें तहसीलदार सिद्धार्थ अनंत मोबा.7024447287, तहसील तमनार का कंट्रोल रूम नंबर 07767-281741 है जिसमें तहसीलदार सुश्री माया अंचल मोबा.81030-48596, तहसील लैलूंगा का कंट्रोल रूम नंबर 07767-274275 है जिसमें नायब तहसीलदार सुश्री रॉकी एक्का मोबा. 8770340536, तहसील धरमजयगढ़ का कंट्रोल रूम नंबर 07767-266232 है जिसमें तहसीलदार भोज कुमार डहरिया मोबा.75871-52548 एवं तहसील छाल के लिए नायब तहसीलदार उमेश्वर बाज मोबा.9977930020 को प्रभारी बनाया गया है।

पी.ए.टी एवं पी.व्ही.पी.टी प्रवेश परीक्षा 5 जून को

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 5 जून 2022 को पी.ए.टी.एवं.पी.व्ही.पी.टी. प्रवेश परीक्षा पूर्वान्ह 9 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। कलेक्टर भीम सिंह ने परीक्षा के सफल संचालन हेतु अपर कलेक्टर आर.ए.कुरूवंशी को नोडल अधिकारी एवं प्रधान पाठक राम कुमार चौहान को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

जिले के समीपवर्ती उड़ीसा राज्य में 31 मई को विधानसभा उपचुनाव

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

कलेक्टर भीम सिंह ने रायगढ़ जिले के समीपवर्ती उड़ीसा राज्य के जिला झारसुगुड़ा अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 6 बृजराजनगर में मतदान दिनांक 31 मई 2022 को विधानसभा उपचुनाव-2022 हेतु मतदान समाप्ति के लिए नियत समय सायंकाल 6 बजे के 48 घंटे पूर्व अर्थात 29 मई के सायंकाल 6 बजे से 31 मई के सायंकाल 6 बजे तक एवं मतगणना दिनांक 3 जून 2022 को संपूर्ण दिवस के लिए रायगढ़ जिले की सीमावर्ती कम्पोजिट मदिरा दुकान रेंगालपाली, देशी मदिरा दुकान जामगांव एवं विदेशी मदिरा दुकान जामगांव को पूर्णत: बंद रखे जाने हेतु शुष्क दिवस घोषित किया है।

अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु स्वरोजगार स्थापित करने आवेदन आमंत्रित

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

छ.ग.राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम, रायपुर द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 2022-23 में राष्ट्रीय निगम के सहयोग से संचालित विभिन्न योजनाओं में 4 प्रतिशत से 8 प्रतिशत के साधारण ब्याज दर पर ऋण दिया जाएगा। जिसके लिए 15 जून 2022 तक ऋण आवेदन आमंत्रित किए गए है। इच्छुक आवेदक जाति, निवास, आय तथा आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं शैक्षणिक प्रमाण-पत्र के साथ कार्यालय कलेक्टर, जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, रायगढ़ कलेक्टोरेट कक्ष क्रमांक 94 में कार्यालयीन समय पर संपर्क ऋण आवेदन प्राप्त कर जमा कर सकते है।

जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित, रायगढ़ के कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय निगम अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु पैसेन्जर व्हीकल योजना, इकाई लागत 7.19 लाख, आदिवासी महिला सशक्तीकरण योजना, इकाई लागत 2 लाख, डेयरी योजना में 5 लाख, स्माल बिजनेस योजना में 01 लाख, 2 लाख, 3 लाख, टर्मलोन योजना में 3 से 5 लाख तक में सेवा, कृषि एवं उद्योग क्षेत्र के लिए तथा स्व-सहायता समूह हेतु माइक्रो क्रेडिट योजना, इकाई लागत 5 लाख सेवा क्षेत्र एवं कृषि क्षेत्र हेतु प्राप्त हुए है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था पुसौर में नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रारंभ

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत रायगढ़ जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था पुसौर में इलेक्ट्रानिक्स एंड हार्डवेयर सेक्टर में फिल्ड टेक्नीशियन एवं होम एप्लीएन्केश कोर्स में नि:शुल्क प्रशिक्षण हेतु प्रवेश की कार्यवाही प्रारंभ हो चुकी हैं। पंजीयन हेतु अंतिम तिथि 4 जून 2022 समय शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण हेतु न्यूनतम 10 वीं कक्षा एवं आयु 18 वर्ष या अधिक होनी चाहिए। प्रशिक्षण पूर्णत: नि:शुल्क होगी। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्लेसमेंट कैम्प आयोजित किया जायेगा। इच्छुक युवक-युवतियां औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था पुसौर, तहसील कार्यालय के पास, पुसौर, जिला-रायगढ (छ.ग.) में समस्त दस्तावेजों के साथ पंजीयन करवा सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु जिला रोजगार कार्यालय रायगढ़ या टोल फ्री नं 18002331133 में संपर्क कर सकतें हैं।

पति की लंबी आयु के लिए सुहागिनों ने किया वट सावित्री व्रत

जोहार छत्तीसगढ़-लैलूंगा।

सोमवार को अमावस्या के शुभ संयोग में अंचल के महिलाओं ने वट सावित्री व्रत किया पति की लंबी आयु के लिए सुहागिन महिलाएं सुबह से ही मंदिरों में पूजा अर्चना कर वट सावित्री कथा श्रवण का लाभ लिया। हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को वट सावित्री व्रत पड़ता है। आज सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। इसके साथ ही वट वृक्ष से कामना करती हैं पति के साथ-साथ संतान सुखी रहें। आज के दिन बरगद के पेड़ की विधिवत पूजा करने के साथ व्रत कथा सुनना शुभ होता है। वट सावित्री व्रत कथा वट सावित्री व्रत में पूजा करने के बाद सुहागिन महिलाएं करें इन चीजों का सेवन, मिलेगा सुख समृद्धि का आशीर्वाद

प्रसिद्ध तत्त्ववज्ञानी अश्वपति भद्र देश के राजा थे। उनको संतान सुख नहीं प्राप्त था। इसके लिए उन्होंने 18 वर्ष तक कठोर तपस्या की, जिसके उपरांत सावित्री देवी ने कन्या प्राप्ति का वरदान दिया। इस वजह से जन्म लेने के बाद कन्या का नाम सावित्री रखा गया। कन्या बड़ी होकर बहुत ही रूपवान हुई। योग्य वर न मिलने की वजह से राजा दुखी रहते थे। राजा ने कन्या को खुद वर खोजने के लिए भेजा। जंगल में उसकी मुलाकात सत्यवान से हुई। द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान को पति रूप में स्वीकार कर लिया। इस घटना की जानकारी के बाद ऋषि नारद जी ने अश्वपति से सत्यवान की अल्प आयु के बारे में बताया। माता.पिता ने बहुत समझाया, परन्तु सावित्री अपने धर्म से नहीं डिगी। जिनके जिद्द के आगे राजा को झुकना पड़ा।

सावित्री और सत्यवान का विवाह हो गया। सत्यवान बड़े गुणवान, धर्मात्मा और बलवान थे। वे अपने माता.पिता का पूरा ख्याल रखते थे। सावित्री राजमहल छोड़कर जंगल की कुटिया में आ गई थीं। उन्होंने वस्त्राभूषणों का त्याग कर अपने अंधे सास.ससुर की सेवा करती रहती थी। सत्यवान् की मृत्यु का दिन निकट आ गया। नारद ने सावित्री को पहले ही सत्यवान की मृत्यु के दिन के बारे में बता दिया था। समय नजदीक आने से सावित्री अधीर होने लगीं। उन्होंने तीन दिन पहले से ही उपवास शुरू कर दिया। नारद मुनि के कहने पर पितरों का पूजन किया। प्रत्येक दिन की तरह सत्यवान भोजन बनाने के लिए जंगल में लकड़ियां काटने जाने लगेए तो सावित्री उनके साथ गईं। वह सत्यवान के महाप्रयाण का दिन था। सत्यवान लकड़ी काटने पेड़ पर चढ़ेए लेकिन सिर चकराने की वजह से नीचे उतर आये। सावित्री पति का सिर अपनी गोद में रखकर उन्हें सहलाने लगीं। तभी यमराज आते दिखे जो सत्यवान के प्राण लेकर जाने लगे। सावित्री भी यमराज के पीछे-पीछे जाने लगीं।उन्होंने बहुत मना किया परंतु सावित्री ने कहाए जहां मेरे पतिदेव जाते हैंए वहां मुझे जाना ही चाहिये। बार.बार मना करने के बाद भी सावित्री पीछे.पीछे चलती रहीं। सावित्री की निष्ठा और पति परायणता को देखकर यम ने एक-एक करके वरदान में सावित्री के अंधे सास-ससुर को आंखें दी, उसका खोया हुआ राज्य दिया और सावित्री को देखने के लिए कहा। वह लौटे कैसे। सावित्री के प्राण तो यमराज लिये जा रहे थे।

सी-मार्ट संचालन के लिए 21 जून तक निविदा आमंत्रित

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

छ.ग. शासन के विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूहों, शिल्पियों, बुनकरों, दस्तकारों, कुंभकारों तथा कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पादों के समुचित मूल्य सुनिश्चित करने तथा व्यवसायिक ढंग से मार्केटिंग किये जाने हेतु आधुनिक शो रूम की तरह एक सी मार्ट की स्थापना पी.डब्ल्यू.डी. कार्यालय के पास पहाड़ मंदिर रोड रायगढ़ में किया जा रहा है। यह लगभग 6266 वर्गफुट में निर्मित होगा एवं 8629 वर्ग फुट का पार्किंग एरिया होगा। शासन द्वारा भवन, आधारभूत संरचना का निर्माण कर प्लग एवं प्ले पद्धति से सफल निविदाकार को 3 वर्षों के लिये 100 रूपये प्रति माह किराये पर लीज पर दिया जाएगा। संतोषप्रद संचालन पर 3 वर्ष की वृद्धि की जा सकेगी।

निविदा (रिक्वेस्ट फार प्रपोजल) 31 मई को जारी की जाएगी जिसे जिले के वेबसाईट www.raigarh.gov.in पर देखा जा सकता है एवं कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र रायगढ़ के सूचना पटल पर भी उपलब्ध होगा। निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि 21 जून 2022 अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित है एवं उसी दिन शाम 4 बजे तकनीकी बिड समिति द्वारा खोला जाएगा। ऑनलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा।

ऐसे व्यक्ति/संस्था जो किराना दुकान, शापिंग सेंटर, फुटकर व्यवसाय, मेडिकल स्टोर में अनुभव रखते हो एवं 31 मार्च 2022 को उक्त व्यवसाय में 25 लाख से अधिक टर्नओवर हो तथा उक्त तिथि में नेट वर्थ 15 लाख से अधिक हो आवेदन हेतु पात्र हैं। स्व-सहायता समूहों, एफ.पी.ओ.तथा ग्राम संगठन हेतु मापदण्ड भिन्न है इसमें 3 वर्ष पुराना हो तथा वर्तमान शासकीय योजना द्वारा समर्थित हो, किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था से डिफाल्टर न हो, जिनके बैंक एकाउन्ट में न्यूनतम 10 लाख की निधि हो पात्र हैं। निविदाकर के पास वैध पेन नंबर तथा जीएसटी पंजीयन हो। स्व-सहायता समूह एफ.पी.ओ.ग्राम संगठन को चयन होने की दशा में उक्त प्रमाण पत्र लेने का अन्डरटेकिंग देना होगा। एक व्यक्ति/संस्था केवल एक आवेदन कर सकेगा आवेदन का शुल्क 2000 रूपये (वापसी योग्य नहीं) सुरक्षा निधि 25 हजार रूपये (असफल निविदाकारों का वापसी योग्य) कलेक्टर रायगढ़ के नाम पर बैंक डिमांड ड्राफ्ट आवेदन के साथ संलग्न करना होगा। सफल निविदाकार को 6 लाख 26 हजार 630 रुपये की बैंक गारंटी जमा करना होगा। अतिरिक्त जानकारी हेतु मुख्य महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, पहाड़ मंदिर रोड रायगढ़ से स्वयं अथवा दूरभाष क्रमांक 07762-222914 पर कार्यालयीन समय पर संपर्क कर सकते है।

किसान, मजदूर और महिलाओं के आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने शासन ने विभिन्न योजनाओं का किया क्रियान्वयन

जिले के जनप्रतिनिधियों नागरिकों ने छायाचित्र प्रदर्शनी का किया अवलोकन

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित डीडीयू आडिटोरियम में विकास परक राज्यस्तरीय छायाचित्र प्रदर्शनी का सोमवार को बेमेतरा जिले के पंचायत एवं नगरीय निकाय के जन प्रतिनिधियों ने अवलोकन किया।

ग्राम पंचायत बनराका, अगरी, बेरलाकला, कमकावाड़ा, उमारवनगर, गनिया के पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लोगों के जीवन में आए बदलाव और विकास कार्यों की उपलब्धियों की जमकर तारीफ की। नगर पालिका परिषद बेमेतरा अध्यक्ष बेमेतरा शकुंतला मंगत साहू ने कहा कि प्रदेश प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद बेमेतरा जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार किसान, मजदूर और महिलाओं के आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगो के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा और इलाज की व्यवस्था की है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना का क्रियान्वयन कर रही है इसी तरह वर्तमान महंगाई के दौर में सस्ती दरों पर धनवंतरी मेडिकल स्टोर में दवाई उपलब्ध कराया जा रहा है। गौठान और स्व सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। वर्तमान में महिलाएं अब आर्थिक स्वावलंबन की ओर बढ़ रही है। इसके लिए सरकार सभी आवश्यक कदम उठा रही है। इसी तरह ग्राम पंचायत जानों, मोहतरा, खपरी, गांगपुर, मोहतरा, बीजा, गोपालपुर, कंडरका आदि पंचायतों से आए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बताया कि सरकार द्वारा हमारी पुरानी संस्कृतियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। यह काम एक किसान पुत्र ही कर सकता है। ग्रामीणों ने सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना की सराहना की। सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भूमिहीन मजदूर,महिला और युवा लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा सुराजी गांव योजना और गोधन न्याय योजना से लोगों को रोजगार मिल रहा है।

बेमेतरा जिले से आए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि छायाचित्र प्रर्दशनी के माध्यम से लोगो तक सभी शासकीय योजनाओं को आमजनों तक पहुंचाने का अच्छा माध्यम है। नगर पालिका उपाध्यक्ष पंचूराम साहू, अध्यक्ष प्रतिनिधि मंगत राम साहू, सीएमओ होरी सिंह ठाकुर, मनोज शर्मा एल्डरमेन, धनश्याम देवांगन पार्षद, चंद्रप्रकाश शीतलानी एलडरमेन, शंकर चौहान, रश्मि फणेन्द्र मिश्रा पार्षद, रानी डेनिम सेन पार्षद, देवराम साहू, राजू साहू सोमनाथ ध्रुव, साधेलाल बघेल पार्षद, महेश शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता, रुबि सलूजा सामाजिक कार्यकर्ता, सुरेश सारथी सामाजिक कार्यकर्ता, राकेश साहू, देवेन्द्र साहू, सामाजिक कार्यकर्ता, नगर पंचायत मारो के अध्यक्ष परमेश्वर मिरी, उपाध्यक्ष अराधना सिंह क्षत्रिय सहित नगर पंचायत के सभी पार्षदों ने भी फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

महंगाई भत्ता की एक सूत्रीय मांग को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने सौंपा ज्ञापन

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने की मांग को लेकर कर्मचारी अधिकारीयों ने ज्ञापन सौंपा। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के धरमजयगढ़ इकाई ने महंगाई भत्ता की एक सूत्रीय मांग को लेकर मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन के नाम एसडीएम कार्यालय धरमजयगढ़ में ज्ञापन सौंपा है।

जिसमें राज्य शासन के कर्मचारियों को केंद्र शासन के समान देय तिथि से महंगाई भत्ता स्वीकृति नहीं करने के नीति के विरुद्ध हड़ताल करने की चेतावनी दी गई है। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन द्वारा राज्य के कर्मचारी अधिकारियों का महंगाई भत्ता लंबित रखा गया है। केंद्र के समान देय होना था किंतु राज्य शासन ऐसा नहीं कर रही है और कर्मचारियों अधिकारियों के महंगाई भत्ते को नियमानुसार नहीं दे रही है। 1 जुलाई 2019 को 12 प्रतिशत महंगाई देय था। केंद्र सरकार ने 1 जुलाई 2019 को 17 प्रतिशत स्वीकृत किया जिसे राज्य ने 1 जुलाई 2021 को स्वीकृत किया। 4 सितम्बर 2021 को मुख्य मंत्री से वार्ता के बाद 1 जुलाई 2022 से 22 प्रतिशत महंगाई भत्ता स्वीकृत किया गया। जबकि केंद्र सरकार द्वारा 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 31 प्रतिशत और अब 1 जनवरी 2022 से 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता स्वीकृत किया गया है । वर्तमान में राज्य के कर्मचारियों को 17 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा हैए जबकि केंद्र द्वारा 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। राज्य शासन कर्मचारियों के वेतन भुगतान में कटौती कर रही है जो कि मौलिक अधिकार का हनन है। केंद्र के समान देय तिथि अनुसार निर्धारित महंगाई भत्ता स्वीकृति करने एवं केंद्र के अनुरूप 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता देय तिथि से एवं सातवें वेतन मान अनुसार गृह भाड़ा स्वीकृत किया जावे। अन्यथा की स्थिति में राज्य के कर्मचारियों के मौलिक अधिकार हनन के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन चरणबद्ध हड़ताल पर जाने बाध्य होगा। 30 मई 2022 को हड़ताल की नोटिस, 30 जून 2022 को रायपुर में महारैली, 25 से 28 जुलाई 2022 तक कलम बंद काम बंद, इसके बाद अनिश्चित कालीन हड़ताल किया जाएगा। एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपने के अवसर पर अनेक विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

चार साल सेवा देने के बाद आज सेवानिवृत्त होंगे मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आज्ञामणी पटेल

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आज्ञामणी पटेल धरमजयगढ़ में चार साल सेवा देने के बाद कल 31 मई को सेवानिवृत्त हो जायेंगे। सन् 1988 में शिक्षक के पद पर नियुक्ति के बाद पांच वर्ष तक शिक्षक के पद पर कार्य करने के बाद पीएसी परीक्षा के माध्यम से अतिरिक्त सहायक विकास आयुक्त के पद पर चयन हुआ। सहायक विकास आयुक्त को ही मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया जाता था। विभिन्न स्थानों सारंगढ़, लैलूंगा, कांकेर एवं सेवा देने के बाद 2019 में धरमजयगढ़ मुख्य कार्यपालन अधिकारी के बने। अतिरिक्त सोईओ जिला पंचायत,आदिवासी विकास शाखा में सहायक संचालक, परियोजना प्रशासक जैसे विभिन्न पदों पर इन्होंने अपनी सेवाएं दी हैं। बीच-बीच में प्रशिक्षु अधिकारियों के सेवा को छोड़ दें तो चार वर्ष का सेवा धरमजयगढ़ विकासखंड को दिये हैं। इन चार सालों में इन्होंने विकास खंड में विकास को गति देने का काम किया है। वैश्विक महामारी कोविड 19 कोरोना में भी नोडल अधिकारी के रूप में इनका कार्य सर्वश्रेष्ठ रहा है इस कार्य के लिए इन्हे प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जांजगीर चांपा जिले के कोटमी गांव के किसान परिवार में जन्मे डॉ. आज्ञामणी पटेल का प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा दीक्षा गांव में ही होने के बाद रायगढ़ डिग्री कालेज एवं रायपुर से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद 1988 में शिक्षक के रूप में शासकीय सेवा में पदार्पण हुआ। इन्होंने बिलासपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। पीएचडी में इनका विषय विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर के जीवन शैली पर आधारित था। पूरे चौंतीस वर्षों तक शासकीय सेवा में रहने के बाद कल सेवानिवृत्त हो जायेंगे।

स्वामी आत्मानन्द स्कूल को संवारने वाले मजदूर, मजदूरी के लिए भटकने को मजबूर

स्कूल में पोताई करने वालों को नहीं मिला मजदूरी

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

राज्य की कांग्रेस सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल भी शामिल है। धरमजयगढ़ में भी स्वामी आत्मानन्द स्कूल संचालित है। जिसके लिए बालक हाई स्कूल भवन का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जीर्णोद्धार का ठेका नटवर अग्रवाल घरघोड़ा को मिला है। जहां काम करने वाले कई मजदूरों को भुगतान नहीं किया गया है। जिससे मजदूर विवश होकर जहां तहां गुहार लगा रहे हैं। मजदूरों ने बताया कि स्वामी आत्मानन्द स्कूल में पोताई का कार्य किए हैं।

ठेकेदार द्वारा शुरू में मजदूरी का भुगतान किया जा रहा था। लेकिन अब काम पूरा हो गया तो ठेकेदार लापता हो गया है। बिलाईगढ़ निवासी सुनील द्वारा पोताई का काम करवाया जा रहा था। लेकिन अब काम पूरा होने पर बिना मजदूरी दिए लापता हो गया है। कई बार मोबाइल से सम्पर्क किया गया तो आजकल कहकर टालमटोल करता रहा। अब तो मोबाइल से भी सम्पर्क नहीं हो रहा है। वहीं मजदूरों ने जब मुख्य ठेकेदार नटवर अग्रवाल से सम्पर्क कर मजदूरी की मांग की तो उन्होंने मजदूरी देने से साफ इंकार कर दिया। जिससे मजदूर और हताश हो गए। मजदूरों ने बताया कि 50 हजार से ज्यादा रुपये लेना बाकी है। यदि हमें मजदूरी नहीं मिला तो परेशानी बढ़ जाएगी।

अखण्ड सौभाग्य के लिए सुहागिनों ने की वट सावित्री व्रत पूजा

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

पति की स्वस्थ दीर्घायु के लिए सुहागिनों ने आज वट सावित्री की पूजा अर्चना की। धरमजयगढ़ क्षेत्र में भी सुबह से ही सुहागिनों की टोली वट वृक्ष के पास दिखाई देने लगी थी। जहां सुहागिनों ने वट वृक्ष में धागा बांधकर विधि विधान से पूजा अर्चना की। हिंदू धर्म में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है। महिलाएं अंखड सौभाग्यवती होने के लिए वट सावित्री का व्रत रखती हैं। वट सावित्री व्रत हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को पड़ता है। महिलाएं वट सावित्री व्रत रख इस दिन वट वृक्ष की पूजा करती है। ऐसा माना जाता है कि जो महिलाएं इस दिन वट सावित्री व्रत रख कर विधि विधान से पूजा करती हैं। उन्हें अखंड सौभाग्य का फ ल प्राप्त होता है। इस दिन व्रत रहने से पति को लंबी आयु प्राप्त होती है। वट सावित्री व्रत रखने वाली महिलाएं स्नान करने के बाद वट वृक्ष के नीचे सावित्री और सत्यवान की मूर्ति रख कर विधि विधान से पूजा अर्चना करते हैं।

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना की हुई शुरुआत

दुर्ग । वैश्विक महामारी कोरोना ने जिन बच्चों के सर से माता-पिता का साया छीन लिया है उनके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना की शुरुआत की। इसके तहत बच्चों के सशक्तिकरण के लिए उन्हें आर्थिक सहायता मुहैया कराई जा रही है। जिसके अंतर्गत दुर्ग जिले से भी 19 बच्चों को इस योजना के अंतर्गत सुरक्षा प्रदान की गई। जिसमें 17 बच्चे 18 वर्ष से कम की उम्र के हैं और दो 18 प्लस। इस अवसर पर दुर्ग के एनआईसी कक्ष में सांसद सुश्री सरोज पांडे भी उपस्थित थीं। उन्होंने योजना से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को और सरल भाषा में उपस्थित बच्चों को समझाया और बच्चों को प्रदान किए गए दस्तावेजों को उन्हें संभाल कर रखने के लिए कहा। उन्होंने आगे कहा बच्चों के भविष्य की दिशा इसी उम्र में तय होती है इसलिए यह आवश्यक है कि वो सकारात्मक दिशा में पहल कर बेहतर भविष्य का निर्माण करें। जीवन में संघर्ष सदैव बना रहेगा परंतु जो लोग हार नहीं मानेंगे उनकी जीत निश्चित है। वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग में अपर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई ,डिप्टी कलेक्टर जागेश्वर कौशल, महिला एवं बाल विकास अधिकारी विपिन जैन व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

विद्युत विभाग की लापरवाही से शहर वासियों को हो रही दिक्कत

जोहार छत्तीसगढ़-कोतबा।

जशपुर जिले के नगर पंचायत कोतबा में आये दिन हल्की बारीश या हल्के हवा में पुरे शहर के साथ साथ अगल बगल के गाँव भी रात भर अँधेरे में हो रहे है अभी बरसात शुरू भी नहीं हुयी है और पुरे क्षेत्र मे रात को अंधेरा छा गया है आज कल बिजली की इतनी आवशयकता है की कोई भी कार्य बिजली के बिना नहीं हो सकता है।

लेकिन नगर पंचायत कोतबा में पदस्थ विद्युत कर्मचारी एवं अधिकारीओ को इस बात से कोई लेना देना नहीं है कोतबा में पदस्थ लाइनमेन रात में कोतबा नहीं रहता है और उनको कोई आपातकालीन कार्य पड़ जाने पर फोन करने पर मोबाईल बंद आता है पुरे क्षेत्र में बिजली कर्मचारियों की. मनमानी रुकने का नाम नहीं ले रहा है। खम्भे ऐसे खड़े किये गए है की जरा सी बारिश में या हल्की. हवा मे ढह जाये लेकिन विद्युत विभाग को इससे कोई मतबल नहीं दिखाई दे रहा है बारिश का मौसम आने वाला है लेकिन यहाँ विभाग द्वारा कोई तैयारी नहीं है ना हो कोई ठीक से मेंटेनेन्स किया गया है आए दिन पेड़ो की टहनिया तार में गिरी पड़ी मिलती है मतलब साफ है की मेंटेनेन्स के नाम पर धोखा दिया जा रहा है लाइट गोल होते ही सोशल मिडिया मे विद्युत विभाग की लापरवाही का गुस्सा फूटता रहता है लेकिन फिर भी विद्युत विभाग के अधिकारियों को या कर्मचारियों को ऐसा लगता है की बिजली से कोई लेना देना ना हो बिजली की रोजमर्रा के कामों मे बहुत आवश्यकता होती यहाँ अस्पताल में मरीजों को बिना लाइट के काफ़ी दिक्क़त का सामना करना पड़ता है गर्मी. और बरसात साथ में होने पर उमस इतनी बढ़ जाती है कि जमीन के निचे रहने वाले जहरीले जीव भी बाहर आते है चारो तरफ अंधेरा होने के कारण जहरीले सापों का खतरा भी काफ़ी बढ़ जाता है पिछले वर्ष ही जहरीले सापों के काटने पर नगर पंचायत कोतबा में काफ़ी व्यक्तियो की मृत्यु तक हो चुकी है। अब देखना यह है कि कब विद्युत विभाग की आँख खुलेगी और कब क्षेत्र वासियो को बिजली गुल होने से राहत मिलती है।

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम के अंतर्गत जांजगीर चाम्पा जिले के 4 बच्चों को दिया प्रमाण पत्र

जोहार छत्तीसगढ़-जांजगीर चाम्पा।

कोरोना महामारी में अपने माता पिता को खो चुके जिले के 4 बच्चों को सांसद गुहाराम अजगले, विधायक नारायण प्रसाद चंदेल, कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअली जुड़कर प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबको संबोधित भी किया। कोरोना में अपने माता-पिता को खो चुके इन बच्चों के देखरेख, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाएं पीएम केयर्स फंड से सुनिश्चित की जायेगी। बच्चों के खाते में सुनिश्चित राशि जमा की गई है। इस योजना में 10 लाख रुपए की एकमुश्त राशि प्रदान की गयी है जो बच्चे के 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर दी जाएगी एवं 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक उस राशि पर ब्याज दिया जाएगा एवं 23 वर्ष पूर्ण होने पर संपूर्ण राशि बच्चे को प्रदान की जाएगी। कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला ने बालक अरमान कांत सहित 3 अन्य बच्चों को अपनी भविष्य को लेकर चिंतित नहीं होने कहा। उन्होंने कहा कि आप अपना सम्पूर्ण ध्यान शिक्षा, स्वास्थ्य और खुद को खेलकूद में आगे रखने में करो। हम आपके अभिभावक के रूप में जो भी आपकी आवश्यकता है उसे पूरा करेंगे। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजेन्द्र कश्यप, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य सुरेश कुमार जायसवाल, डॉ इन्दु साधवानी, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति नम्रता पटेल, सीडब्ल्यूसी सदस्य संतोषी राठौर, सत्यनारायण शर्मा उपस्थित थे।

एक नजर

बाढ़ से बचाव के लिए किया गया मॉकड्रील

जोहार छत्तीसगढ़-जांजगीर-चांपा।

बारिश से पूर्व बाढ़ से बचाव के लिए आवश्यक तैयारी सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला एवं आरपी मानवटकर, सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में नगर सेना विभाग बाढ़ बचाव दल के जवानों द्वारा हसदेव नदी पर स्थित कुदरी बैराज में बाढ़ आपदा से बचाव हेतु मॉकड्रील का आयोजन किया गया। जिसमें बाढ़ में डूबे व्यक्ति एवं बाढ़ में फंसे हुये व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने तथा बाढ़ आपदा से बचाव संबंधी फ्लड रेस्क्यू की मॉकड्रील सफलता पूर्वक किया गया। इस दौरान आमजनों को भी बाढ़ से बचाव के संबंध में जानकरी दी गई।

गांव-गांव लग रही चौपाल, समस्याओं का किया जाएगा समाधान

कलेक्टर की पहल से ग्रामीणों को मिल रही योजनाओं की जानकारी

जोहार छत्तीसगढ़-जांजगीरचांपा।

कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला की पहल से जिले के प्रत्येक गांवों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को न सिर्फ सुना जा रहा है। अपितु उनसे संबंधित समस्याओं की जानकारी भी ली जा रही है। तीन दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन चिन्हांकित ग्रामों में चौपाल लगाया गया। जहां ग्रामीण शिविर में अपना आवेदन जमा कर रहे हैं। सभी प्राप्त आवेदनों का संकलन कर संबधित विभाग को प्रेषित कर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने इस संबंध में कड़े निर्देश जारी कर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और हरसंभव तरीके से निराकरण करने कहा है। चौपाल के साथ ही परिसर में स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों को लाभान्वित किया जा रहा है। जांजगीर चांपा जिले के अंतर्गत सभी ग्रामों में चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों की समस्याओं को निराकृत करने के निर्देश कलेक्टर जितेन्द्र कुमार ने दिए हैं।

अवैध काष्ठ परिवहन करने वाले चार मेटाडोर वन विभाग के कब्जे में

दुर्ग । वन विभाग लगातार अवैध लकड़ी की कटाई को लेकर सतर्कता बरतें हुए है। इसी कड़ी में रविवार को कुम्हारी चौक और धमधा में उसे एक बड़ी सफ्लता प्राप्त हुई है। डीएफ्ओ शशि कुमार के मार्गदर्शन में प्रात: गस्त के दौरान अवैध लकड़ी का परिवहन करते हुए 4 मेटाडोर जब्त किए गए हैं। जब्त वाहनों में कहुआ मिश्रित काष्ठ पाया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ अभिवहन (वनोपज) नियम के तहत कार्यवाही कीजा रही है। वन विभाग की इस कार्रवाई से निश्चित ही अवैध कटाई व परिवहन पर अंकुश लगेगा। संपूर्ण कार्यवाही में वन विभाग की टीम ने अनुशासित होकर नियमों का पालन करते हुए यह सफ्लता प्राप्त की है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in